रांची, बुधवार, 16 अप्रैल 2025
संवत 2082, वैशाख कृष्ण 4 - मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 221, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

सनी देओल के करियर की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनी जाट, वीकेंड 40 करोड़ के पार ◀◀ 6

नेशनल हेराल्ड केस : कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन, सोनिया-राहुल पर चार्जशीट का विरोध

नई दिल्ली : नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने आज पूरे देश में जोरदार प्रदर्शन किया। दिल्ली से लेकर मुंबई, कोलकाता, लखनऊ और चेन्नई तक कांग्रेस कार्यकताओं ने सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। केंद्र के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, तथ्यों पर गौर करें तो इसमें कोई दम नहीं है। यह राजनीति से प्रेरित मामला है, इसे लंबे समय से खींचा जा रहा है। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी को जानबूझकर निशाना बनाया गया है। यह दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया गया है। हमने हाल ही में गुजरात में एक सम्मेलन आयोजित किया, हम पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं, उन्हें यह पसंद नहीं है, इसलिए केंद्र सरकार ने जानबूझकर यह कदम उठाया है।

केंद्र के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर पार्टी सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा, जिस एजेंसी के माध्यम से लड़ाई को कोर्ट तक ले जाया गया है, उसकी मंशा सिर्फ विपक्ष को परेशान करने की है। गुजरात में एक सत्र होता है, राहुल गांधी मोडासा पहुंचते हैं और यहां चार्जशीट दाखिल होती है। आप घटनाक्रम समझिए। आगामी बिहार चुनाव, गुजरात में कांग्रेस की सक्रियता, आगामी असम चुनाव में उसकी संभावित हार और विपक्ष की सतर्कता के मद्देनजर भाजपा विपक्ष को पूरी तरह से कुचलना चाहती है, लेकिन भाजपा भूल जाती है कि यह गांधी परिवार है जिसने देश के लिए अनगिनत बलिदान दिए हैं। कांग्रेस पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने इस मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी। इस समाचार पत्र को एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) द्वारा प्रकाशित किया जाता था। वर्ष 2008 में वित्तीय संकट के बाद इसे बंद करना पड़ा, जहां से इस विवाद की शुरूआत हुई। साल 2010 में यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएल) नाम की कंपनी बनी, जिसमें सोनिया और राहुल गांधी की 38-38 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने साल 2012 में आरोप लगाया कि यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को मात्र 50 लाख रुपए में हासिल किया और उन्होंने धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया। मामला अदालत में भी गया और बाद में ईडी ने इसकी जांच शुरू की।

प्रदेश कांग्रेस का रांची में ईडी ऑफिस के समक्ष प्रदर्शन, बस से पहुंचे कांग्रेस नेता

रांची : कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई के विरोध में रांची ईडी ऑफिस के समक्ष भी प्रदेश के कांग्रेस नेता प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बस से ईडी कार्यालय पहुंचे।

प्रदर्शन में शामिल नेताओं में राजू, श्रीबेला प्रसाद, केशव महतो कमलेश, प्रदीप यादव, राजेश ठाकुर और सुबोध कांत सहाय समेत कई वरिष्ठ कांग्रेसी शामिल हैं। वे सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। बताते चलें कि ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं।

इसके विरोध में पार्टी देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर बुधवार को विरोध प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह धमकाने का काम कर रहे हैं।

सीईसी नियुक्ति कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 14 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर बने कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 14 मई की तारीख तय कर दी है। एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने मामले पर जल्द सुनवाई की अपील की थी। प्रशांत भूषण ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट की दिन की कार्यवाही सूची में यह मामला शामिल है, ऐसे में उस पर तुरंत सुनवाई की जाए। हालांकि जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्जल भुइंया की सदस्यता वाली पीठ ने मामले पर सुनवाई की तारीख अगले महीने तय कर दी।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आज पीठ भूमि अधिग्रहण समेत कई अन्य अहम मामलों पर सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि बीती 19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने 16 अप्रैल को मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति वाले 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की तारीख तय की थी। प्रशांत भूषण याचिकाकर्ता एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। एडीआर की याचिका में एक कानूनी मुद्दा सवाल उठाया गया है, जिसमें पूछा गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में क्या सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के फैसले को माना जाना चाहिए, जिसमें प्रधानमंत्री, नेता विपक्ष और देश के मुख्य न्यायाधीश की सदस्यता वाली समिति मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करेगी या फिर साल 2023 में बना नया कानून, जिसमें मुख्य न्यायाधीश को समिति से बाहर कर दिया गया है।

ट्रेनों में अब जल्द एटीएम भी मिलेगा, रेलवे ने शुरू किए प्रयोग

नई दिल्ली : आरामदायक कुर्सियों से लेकर अब ट्रेन में मोबाइल फोन चार्जिंग और लैंप जैसी कई आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। हालांकि, रेल के विकसित होने का यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। खबर है कि रेलवे ने ट्रेनों में एटीएम यानी ऑटोमैटेड टैलर मशीन का परीक्षण शुरू कर दिया है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि व्यापक स्तर पर इसे कब लागू किया जाएगा।

सेंट्रल रेलवे ने मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में प्रायोगिक आधार पर एटीएम लगाया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह एटीएम एक निजी बैंक द्वारा प्रदान किया गया है और इसे इस दैनिक एक्सप्रेस सेवा की वातानुकूलित चेयर कार कोच में स्थापित किया गया है। उनके अनुसार, इसे जल्द ही यात्रियों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने कहा, 'पंचवटी एक्सप्रेस में प्रायोगिक आधार पर एटीएम स्थापित किया गया है।' रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह एटीएम कोच के पिछले हिस्से में एक क्यूबिकल में लगाया गया है, जहां पहले अस्थायी पेंट्री थी। ट्रेन के चलने के दौरान सुरक्षा और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक शटर दरवाजा भी लगाया गया है।

अधिकारी ने बताया कि इस कोच में आवश्यक परिवर्तन मनमाड रेलवे कार्यशाला में किए गए। पंचवटी एक्सप्रेस मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और पड़ोसी नासिक जिले के मनमाड जंक्शन के बीच प्रतिदिन चलती है। यह ट्रेन लगभग 4 घंटे 35 मिनट में एक तरफ की यात्रा पूरी करती है।

जमीन खरीद केस में दूसरे दिन ईडी के सामने रॉबर्ट वाड्रा की पेशी

बोले- सब वक्त का खेल, समय बदलेगा

नई दिल्ली : गुरुग्राम भूमि सौदे के मामले में प्रवर्तन निदेशालय आज भी रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ कर रहा है। इससे पहले बीते दिन वायनाड सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से करीब छह घंटे पूछताछ हुई थी। लगातार दूसरे दिन पूछताछ से पहले जानेमाने कारोबारी ने बुधवार को कहा कि वह इन सबके लिए बहुत मजबूत हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए एक सियासी कार्टून भी पोस्ट किया।

इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनके और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ साजिश रची जा रही है। हमारे खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई की जा रही है। सब वक्त का खेल है, समय बदलेगा। उन लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं देश छोड़कर भागने वाला नहीं हूं। मैं सभी सवालों का जवाब दूंगा। मुझे कोई दिक्कत नहीं है, आप जितनी चाहें उतनी एजेंसियों का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जब इसकी जांच हुई तो प्रशासन ने पाया कि कुछ भी गलत नहीं हुआ। खट्टर जी ने मुझे उसी मामले में क्लीन चिट दे दी। मुझे समझ नहीं आ रहा कि 7 साल बाद फिर मुझसे पूछताछ क्यों हो रही है।

वाड्रा ने कहा कि वह निर्दोष हैं और सत्य की जीत होगी। वाड्रा ने फेसबुक पर पोस्ट किया, 'मेरे जन्मदिन के सप्ताह के दौरान की जा रही सेवाएं कुछ दिनों के लिए रोक दी गई है। मैंने बुजुर्गों को भोजन कराने और विभिन्न क्षेत्रों के सभी बच्चों को उपहार देने की जो योजनाएं बनाई हैं, उन्हें मैं तब तक जारी रखूंगा, जब तक कि सरकार मुझे अच्छे काम करने और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके अन्यायपूर्ण व्यवहार के बारे में बोलने से नहीं रोकती या फिर अगर मेरे राजनीति में आने की इच्छाएं और बातें भी होती हैं। लोगों की इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करने से मुझे कोई नहीं रोक सकता। मैं यहां किसी भी तरह के अन्यायपूर्ण दबाव के लिए तैयार हूं। मैं सत्य में विश्वास करता हूं, और सत्य की जीत होगी।'

'मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं' : गुरुग्राम भूमि मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से की गई घंटों पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ने आरोप लगाया कि संघीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैंने पहले जिन सवालों के जवाब दिए हैं, उन सभी के जवाब फिर से देने पड़ रहे हैं। कोई मुद्दा ही नहीं है। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। हर सवाल का जवाब दिया जा चुका है। हर सवाल का फिर से जवाब दिया जाएगा।

'सरकार हमेशा एजेंसी का दुरुपयोग करती है' : उन्होंने कहा कि उन्होंने 2019 में भी एजेंसी को 20,000 से ज्यादा दस्तावेज सौंपे थे, उन्होंने समन को राजनीति से प्रेरित बताया। वाड्रा ने कहा, '2019 में 23,000 दस्तावेज जमा किए गए थे। जिस मामले के बारे में वे मुझसे पूछ रहे हैं, वह 20 साल पुराना मामला है। यह राजनीति से प्रेरित है। जब हम कोई लेन-देन करते हैं तो हम सभी नियमों और विनियमों का पालन करते हैं। सत्तारूढ़ सरकार हमेशा एजेंसी का दुरुपयोग करती है। वे मुझसे जितने चाहें सवाल पूछ सकते हैं। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। सब ठीक है। हम किसी के दबाव में आने वाले नहीं हैं।'

क्या है मामला? : दरअसल, ईडी ने मंगलवार को हरियाणा के शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजा है। वाड्रा पहले समन पर उपस्थित नहीं हुए थे, जो 8 अप्रैल को जारी किया गया था। उन्हें पूछताछ के लिए ईडी के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया, क्योंकि केंद्रीय जांच एजेंसी उनकी फर्म स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है। ईडी के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुड़गांव के शिकोहपुर में 3.5 एकड़ का प्लॉट 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनकी कंपनी ने इसके बाद जमीन को रियल एस्टेट दिग्गज डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दिया।

राजनीति में शामिल होने की इच्छा जाहिर की थी : इससे पहले बीते दिन ही रॉबर्ट वाड्रा ने राजनीति में शामिल होने की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस पार्टी को लगता है कि उन्हें यह कदम उठाना चाहिए, तो वह अपने परिवार के आशीर्वाद से यह कदम उठाएंगे। एएनआई से खास बातचीत में वाड्रा ने कहा था कि राजनीति से उनका जुड़ाव काफी हद तक गांधी परिवार से उनके जुड़ाव के कारण है। पिछले कुछ सालों में कई राजनीतिक दलों ने उन्हें राजनीतिक चर्चाओं में खींचने की कोशिश की है और अक्सर चुनाव या अन्य मुद्दों के दौरान उनके नाम का इस्तेमाल ध्यान भटकाने के लिए किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में दो खूंखार नक्सली ढेर दोनों पर था 13 लाख रुपये का इनाम

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ में कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सीमा पर किलम-बुरगुम के जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद मुठभेड़ स्थल से दो खूंखार नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। मारे गए नक्सलियों की पहचान बस्तर ईस्ट डिवीजन के खूंखार माओवादी कमांडर डीवीसीएम हलदर (8 लाख का इनाम) और एसीएम रामे (5 लाख का इनाम) के रूप में हुई। सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से एके-47 राइफल, एक अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और नक्सलियों का दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया है। क्षेत्र में सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। बस्तर रेंज के आईजी पी। सुंदरराज ने इस सफल ऑपरेशन की पुष्टि की है।

कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सीमा से सटे किलम-बुरगुम के जंगलों में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर कोंडागांव डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम मंगलवार (15 अप्रैल) को माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी।

मंगलवार शाम को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ स्थल से दो नक्सली कैडरों के शव बरामद हुए। मारे गए खूंखार माओवादी हलदर और एसीएम रामे दोनों पर कुल 13 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

बस्तर रेंज के आईजी पी सुंदरराज के अनुसार, क्षेत्र में सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान जारी है। बता दें कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान कर ली गई थी, जिसमें एक महिला नक्सली भी शामिल थी। शिनाख्त किए गए माओवादियों में पांच लाख रुपये के इनामी माटवाड़ा एलओएस कमांडर एसीएम अनिल पूनेम के अलावा, एक-एक लाख रुपये के इनामी नक्सली पालो पोड़ियाम और दीवान मड़कम शामिल थे। अनिल पूनेम को अम्बेली ब्लास्ट का मास्टरमाइंड माना जाता है और वह लंबे समय से सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बना हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

जिस हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हो, उसका लाइसेंस रद्द करो

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड ट्रैफिकिंग के मामलों पर एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि जिस अस्पताल से बच्चा चुराया जाता है उसका लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि इस फैसले का सख्ती से पालन किया जाए। बता दें कि वाराणसी और आसपास के अस्पतालों से बच्चों की चोरी के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 2024 में आरोपियों को जमानत दे दी थी, अब सुप्रीम कोर्ट ने इस जमानत को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक देशव्यापी गिरोह था और इनके चुराए हुए बच्चे पश्चिम बंगाल, झारखंड और राजस्थान तक से मिले हैं। कोर्ट ने आरोपियों को समाज के लिए खतरा बताया है। इसी के साथ कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी इस मामले में देरी करने के लिए फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों से कहा है कि वे बच्चा तस्करी रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएं। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर किसी अस्पताल से बच्चा चोरी होता है, तो सरकार को तुरंत उस अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए।

माता-पिता रहें सावधान- : सुप्रीम कोर्ट ने सभी माता-पिता को सलाह दी है कि वे अस्पताल में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें।

मुकेश सहनी के लिए एनडीए का खुला दरवाजा, दिलीप जायसवाल से हुई मुलाकात

पटना : बिहार की राजनीति में गठबंधन की गणित फिर एक दिलचस्प मोड़ पर है। महागठबंधन में विधानसभा सीटों की हिस्सेदारी को लेकर असहमत नजर आ रहे विकासशील इंसान पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी को एक बार फिर से पुराने साथी याद आने लगे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अब खुलकर उन्हें एनडीए में लौटने का इशारा दे दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ। दिलीप कुमार जायसवाल और मुकेश साहनी की मुलाकात मंगलवार को हुई। जिसके बाद बीजेपी के तरफ से एक बयान में कहा गया कि अगर महागठबंधन में सहनी की स्थिति मजबूत नहीं होती है, तो वे एनडीए में लौट सकते हैं। प्रदेश अध्यक्ष जायसवाल ने कहा, मुकेश सहनी अपना राजनीतिक कद बढ़ाने के लिए महागठबंधन में गए हैं। अगर वहां उनका कद नहीं बढ़ा, तो वे इधर आ सकते हैं। इस बयान ने बिहार की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है।

सहनी का वोट बैंक चुनाव में निर्णायक हो सकता है : डॉ. जायसवाल ने यह भी माना कि सहनी का वोट बैंक चुनाव में निर्णायक हो सकता है। जब उनसे मीडियाकर्मियों ने पूछा कि क्या सहनी को एनडीए में बुलाने की कोई पहल की गई है।

न्यूज IN ब्रीफ

अजीम प्रेमजी विवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ 22 अप्रैल को

रांची : अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में 22 और 23 अप्रैल को आदिवासी समुदायों का स्वास्थ्यः जमीन पर काम करने के अनुभव और सीख विषयक दो दिन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम करते हुए मिले अनुभवों और उससे मिली सीख पर वार्ता करना है।

कार्यक्रम में आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम में देश भर से लगभग 250 प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। कार्यक्रम में आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य पर काम करने वाले नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, समुदायों का इलाज करने वाले अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टर और सार्वजनिक स्वास्थ्य ०?यवस्?था के सदस्य समेत अन-?य लोग भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में आदिवासी समुदाय के स्वास्थ्य के मौजूदा हालात और भविष?य में इसकी दिशा विषय पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर आदिवासी समुदाय के स्वास्थ्य पर काम कर रहे संगठनों की ओर से पोस्टर-प्रदर्शनी भी आयोजित की जायेगी।

अजीम प्रेमजी विश?वविद्यालय द्वारासार्वजनिक स?वास्?थ?य पर संवाद नामक कार्यक्रम की एक श्रृंखला शुरू की जाएगी।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन का मकसद सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करना है।

अवैध डोडा तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार, दो साल से था फरार

खूंटी : दो साल से प्रतिबंधित अवैध डोडा के कारोबारी नामजद अभियुक्त को साइको पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को उसके घर हजारीबाग जिला के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत खैराना, देवचन्दा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दीपक साव के पिकअप वैन खल्र 02 अळ 8611 से साइको पुलिस ने 245 किलोग्राम अवैध डोडा दो साल पहले साइको थाना क्षेत्र से बरामद किया था, तब से ही वाहन मालिक दीपक साव फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने पर साइको थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडे के नेतृत्व में गठित टीम ने डोडा कारोबार में लिप्त दो साल से फरार नामजद अभियुक्त दीपक साव को उसके बरही देवचन्दा स्थित घर से गिरफ्तार कर जेल भेजा।

हरमू बाजार में रेहड़ी-पटरी वालों के लिए बनेगा वेंडिंग जोन निगम के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

रांची : रांची नगर निगम अब शहर में रेहड़ी-पटरी वालों के लिए तय जगह (वेंडिंग जोन) बना रहा है, ताकि बाजार और सड़कें साफ-सुथरी और व्यवस्थित रहें। इसी के तहत आज मंगलवार, 15 अप्रैल को निगम की टीम ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी (वार्ड 26) स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर और श्री पंच मंदिर के आसपास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान देखा गया कि वहां सड़क किनारे कई दुकानें और ठेले बिना अनुमति के लगे हुए हैं, जिससे आने-जाने में दिक्कत हो रही थी। नगर आयुक्त संदीप सिंह ने आदेश दिया कि इन दुकानों को हटाकर एक तय जगह पर ही लगाया जाये, जहां सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जायेंगी। नगर निगम की टीम ने वहां के वेंडरों से बात कर उन्हें समझाया कि अब तय जगह पर ही दुकान लगानी होग।। निगम जल्द ही वहां साफ-सफाई, पानी और अन्य व्यवस्था करेगा। बता दें कि पहले भी नगर निगम ने हरमू बाजार इलाके में अभियान चलाकर अवैध दुकानें और ठेले हटाये थे। अब फिर इस क्षेत्र को व्यवस्थित करने का काम शुरू हुआ है।

ड्रग्स के उत्पादन, वितरण और उपभोग पर रखें कड़ी नजरः मुख्य सचिव

रांचीः मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य में ड्रग्स के उत्पादन, वितरण और उपभोग पर सख्ती से निगरानी रखने का निर्देश उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को दिया है। उन्होंने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े तत्वों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही, संबंधित विभागों को ड्रग्स के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियान को भी और अधिक प्रभावशाली बनाने पर बल दिया गया।

मुख्य सचिव ने दवा दुकानों से नशीली दवाओं और सीरप की बिक्री पर चिंता जताई और इस अवैध नेटवर्क की पहचान कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने सभी लाइसेंसधारी दवा दुकानों की सूची गृह सचिव को उपलब्ध कराने को कहा, ताकि बिना लाइसेंस वाली दुकानों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सके।यह निर्देश मंगलवार को नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (ठउडफळ) की पाँचवीं राज्य स्तरीय समिति की बैठक में दिए गए, जिसकी अध्यक्षता स्वयं मुख्य सचिव अलका तिवारी ने की।

छह गुना अधिक अफीम की फसल नष्ट की गई : बैठक में बताया गया कि 2024-25 में लगातार चलाए गए अभियानों के चलते पोस्ते (अफीम) की अवैध खेती के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हुई है। वर्ष 2023झ24 में जहां 4,860 एकड़ में पोस्ते की फसल नष्ट की गई थी, वहीं 2024झ25 में यह आंकड़ा बढ़कर 27,015 एकड़ हो गया–जो पिछले वर्ष की तुलना में छह गुना अधिक है।इसी प्रकार, मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में 2023 में 529 केस दर्ज हुए थे और 773 गिरफ्तारियाँ की गई थीं। वर्ष 2024 में अब तक 803 मामले दर्ज हुए और 1,062 गिरफ्तारियाँ हुई हैं।

प्रवर्तन एजेंसियों को लगातार किया जा रहा प्रशिक्षित : नशे के अवैध व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों को निरंतर प्रशिक्षित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ठउइ) के सहयोग से पुलिस अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट (ठऊढर अू३) के प्रावधानों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार, रांची में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार संचालित है। वन विभाग के कर्मचारियों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है।एनसीबी और राज्य पुलिस के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ) भी निर्धारित की गई है। जब्त मादक पदार्थों के निपटान पर जोर :बैठक में जब्त मादक पदार्थों के समयबद्ध निपटान पर विशेष बल दिया गया। कुछ जिलों द्वारा निपटान में पिछड़ने की बात सामने आने पर संबंधित उपायुक्तों को इसकी प्राथमिकता के साथ निष्पादन का निर्देश दिया गया।साथ ही, जब्त सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक जिले में मालखाना निर्माण पर भी बल दिया गया। जिन जिलों में भूमि या उपयुक्त भवन नहीं हैं, वहां त्वरित समाधान निकालने के निर्देश दिए गए।

मानस पोर्टल के जरिए सूचना दें, पाएं इनाम : ड्रग्स के खिलाफ जन-सहभागिता बढ़ाने के लिए मानस पोर्टल जुलाई 2024 में लॉन्च किया गया है। इसके माध्यम से आम नागरिक ड्रग्स के अवैध उत्पादन, वितरण या उपभोग से जुड़ी सूचना गोपनीय रूप से दे सकते हैं। सत्यापन के बाद यदि सूचना सही पाई जाती है तो सूचना देने वाले को इनाम भी दिया जाता है।

जेएमएम अध्यक्ष बनते ही हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं को बताया पार्टी का प्लान

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा का 13वां महाधिवेशन कई मायनों में अहम रहा। रांची के खेलगांव में आयोजित इस दो दिवसीय महाधिवेशन में पार्टी ने राजनीतिक प्रस्तावों को पास करते हुए जहां अपने संविधान में संशोधन कर शिबू सोरेन को संस्थापक संरक्षक बनाने का निर्णय लिया, वहीं हेमंत सोरेन अध्यक्ष बनाए गए।

अब तक कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हेमंत सोरेन पार्टी के अंदर शिबू सोरेन के बाद सबसे बड़े नेता के रूप में उभर कर सामने आए हैं। जिनके उपर पार्टी को क्षेत्रीय राजनीतिक दल से बाहर निकालते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब है कि 1987 में पहली बार शिबू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा की

कमान संभाली थी। इससे पहले यह जिम्मेवारी शहीद निर्मल महतो को दी गई थी।

पार्टी के अंदर महिला सहभागिता बढ़ाने पर जोर : झामुमो के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार महाधिवेशन के दौरान पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने जहां एक तरफ पार्टी के अंदर महिला सहभागिता बढ़ाने की ओर संकेत दिया, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक मजबूती पर कार्यकताओं का ध्यान खींचने की कोशिश की।

अपने संबोधन में हेमंत सोरेन ने पार्टी के अंदर महिला सहभागिता अधिक से अधिक बढ़ने पर जोर देते हुए कहा कि पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक में इस पर काम करना होगा। पार्टी के अंदर कोई जरूरी नहीं है कि जिला अध्यक्ष पुरुष ही हो, महिला भी हो सकती है।

इसी तरह अन्य कमेटी में भी उन्होंने महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने की ओर संकेत किया। संगठनात्मक मजबूती को लेकर हेमंत सोरेन ने कार्यकताओं को आह्वान करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी में जोड़े, जिससे हमलोग इतना मजबूत हो जाए कि आने वाले 2029 के चुनाव में परिणाम पहले ही घोषित हो जाए।

पार्टी की 13वें महाधिवेशन को झारखंड मुक्ति मोर्चा के इतिहास में सुनहरे अक्षर में लिखे जाने की बात कहते हुए झामुमो अध्यक्ष इस दौरान पार्टी छोड़कर जाने वाले पर भी निशाना साधते नजर आए। उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर कई तूफान आए, मगर झारखंड मुक्ति मोर्चा अडिग रहा। झारखंड मुक्ति मोर्चा का सफर पथरीला, कटीला और थकान देने वाला है। इसीलिए बहुत सारे लोग बीच रास्ते में ही चले जाता है, जो नहीं चल सकता है लेकिन आज के दिन में भी पार्टी में कई ऐसे सिपाही हैं जो लंबे समय से बने हुए हैं। इस मौके पर अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत सोरेन ने पार्टी से जुड़े आंदोलनकारी के परिवार को एक लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए कार्यकताओं से ऐसे आंदोलनकारी का नाम और ब्यौरा पार्टी कार्यालय में देने का आग्रह किया।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए : राष्ट्र सेवा फाउंडेशन

संवाददाता

रांची : राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री सीताराम शरण जी महाराज एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुर्शिदाबाद में हो रहे दंगा फसाद पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस समर्थित दंगा से देश दहल गया है। कहा कि ममता बनर्जी के क्रूर शासन में अभी तक हजारों हिंदुओं की हत्या, आगजनी, दुकानों मकानों में लूट के साथ बलात्कार, सामूहिक बलात्कार जैसे विभत्स कांड होती चली आ रही है। ममता बनर्जी केंद्र सरकार के कानून, आदेशझ्र निर्देश तक को अपनी मर्जी के अनुसार उसे जूते तले रौंदती रहती है। ऐसे भयावह हालत को खत्म करने हेतु एकमात्र उपाय पश्चिम बंगाल में

राष्ट्रपति शासन लागू करना हीं है। कहा की जब हिंदू अपने हीं देश में बहुसंख्यक होते हुए भी सुरक्षित नहीं हैं। वो भी मोदीझ्र योगी राज में? जब हिंदुओं के साथ मारपीट करते हुए घर परिवार, दुकानों मकानों को जलाया जा रहा हो, हिन्दुओं को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा हो, तो बंगाल को बांग्लादेश बनने में बहुत अधिक समय नहीं लगेगा? जब हिंदू अपने हीं देश में सुरक्षित नहीं हों, तो हम कल्पना भी नहीं कर सकते, कि पाकिस्तान या बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की स्थिति, क्या होगी? उनके साथ क्या दुर्दशा होती होगी? उनके बारे में सोच भी नहीं सकते! कहा कि आज जिस तरह से मुर्शिदाबाद से हिंदुओं को पलायन होने पर मजबूर होना पड़ रहा है, ऐसे में केंद्र सरकार को इतनी खतरनाक हालात पर संज्ञान लेते हुए राष्ट्रपति शासन लागू कर लॉ एंड ऑर्डर अपने हाथों में लेते हुए बंगाल की शासन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए , तथा केंद्र सरकार को बंगाल सहित पूरे देश में प्रायोजित दंगा फसाद को खत्म करने का कोई नया अध्यादेश लाना चाहिए? यदि ऐसा नहीं हुआ और इस बार हिंदुओं के हो रहे पलायन, हिंदू समाज के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार आदि रोकने के लिए त्वरित उपाय नहीं किया गया तो, न केवल बंगाल बल्कि देश के हिंदू समाज को केंद्र की मोदी सरकार से काफी निराशा, हताशा तथा ठेस पहुंचेगी!

यदि केंद्र सरकार द्वारा ऐसी कोई कठोर अध्यादेश नहीं लाया गया तो, कुछ चंद विरोधी नेताओं की वजह से ऐसी हिंसक घटनाएं होती रहेगी।

रिम्स में अब शाम 6 बजे तक चलेगी ओपीडी, 100 टेक्निकल स्टाफ होंगे बहाल

संवाददाता

रांचीः राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस यानी रिम्स में अब मरीजों को शाम 6 बजे तक ओपीडी सेवा मिलेगी। रिम्स के 59वीं शासी परिषद की बैठक में यह फैसला हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने यह जानकारी दी है।

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि रिम्स सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज नहीं बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की लाइफ लाइन है। लिहाजा आने वाले दिनों में राज्यवासियों को सेवा देने के मामले में रिम्स और बेहतर बनेगा। शासी परिषद की बैठक में एक बड़ा फैसला चौकीदार गार्ड को लेकर लिया गया है। बहुत जल्द रिम्स में तैनात 380 गार्ड में से आधे गार्ड हटा दिए जाएंगे। उनकी जगह प्राईवेट गार्ड रखे जाएंगे।

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि रिम्स सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज नहीं बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की लाइफ लाइन है। लिहाजा आने वाले दिनों में राज्यवासियों को सेवा देने के मामले में रिम्स और बेहतर बनेगा। शासी परिषद की बैठक में एक बड़ा फैसला चौकीदार गार्ड को लेकर लिया गया है।

रिम्स में मौत पर पीड़ित परिवार को मिलेगी आर्थिक मदद : शासी परिषद की बैठक में कई एजेंडों पर चर्चा हुआ। इसमें रिम्स के पूरे स्ट्रक्चर में बदलाव पर सहमति बनी है। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का कहना है कि रिम्स में बहुत जल्द सीटी-एमआरआई मशीनें स्थापित की जाएंगी ताकि मरीजों को बेहतर जांच की सुविधा मिल सके।

इसके अलावा आयुष्मान कार्ड का भी बेहतर तरीके से लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सिर्फ 5 शव वाहन हैं। लिहाजा, पांच और नये शव वाहन खरीदे जाएंगे। ऐसा होने से अन्य जिलों तक शव पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा रिम्स में इलाज के दौरान मरीज की मौत होने पर पीड़ित परिवार को 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

रिम्स में 100 टेक्निकल स्टाफ की होगी बहाली : शासी परिषद की बैठक में इस बात पर सहमति बनी है कि रिम्स के डॉक्टरों को प्रोमोशन भी दिया जाएगा। साथ ही 15 दिनों के भीतर 100 नॉन टेक्निलक स्टाफ की बहाली होगी। ऐसा होने से मरीजों के मेडिकल जांच को गति मिलेगी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स के निदेशक डॉ राज कुमार समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

हिमाचल प्रदेश सिर्फ देवभूमि नहीं, देश को आत्मनिर्भर बनाने में निभाई है सशक्त भूमिका : राज्यपाल

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की उपस्थिति में मंगलवार को राजभवन में हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड में निवासरत हिमाचल प्रदेश के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिमाचल की विशिष्ट पहचानः अपने संबोधन में राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश की नैसर्गिक सुंदरता, आध्यात्मिक विरासत और वीरता की भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश न केवल

ह्लदेवभूमिह्न के रूप में प्रसिद्ध है, बल्कि इसने भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी अहम भूमिका निभाई है।

विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान : राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और जैविक खेती जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल को ह्लहरित राज्यह्न और ह्लजैविक कृषि केंद्रह्न के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय एकता को करता है मजबूत : राज्यपाल ने एक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न पहल के महत्व पर बल देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी समरसता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य भवन द्वारा विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवसों का आयोजन इस उद्देश्य की ओर एक सराहनीय पहल है।

जब जीरो दिया मेरे भारत ने...

आज कल संविधान और भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी को सभी राजनैतिक पार्टियों नें राजनीति का मुद्दा बना रखा है और 14 अप्रैल आते-आते सभी पार्टियाँ सक्रिय हो जाती हैं राजनीति करने में इस कारण वह भूल जाती हैं कि इसी दिन एक और महान हस्ती आर्यभट्ट ने जन्म लिया था.

कम लोगों को ही शायद यह पता होगा की 14 अप्रैल को विश्व के महानतम ज्योतिषाचार्य, खगोलविद और गणितज्ञ आर्यभट्ट जी की भी जन्म जयंती होती है। आज इन्हीं के कारण सम्पूर्ण विश्व विकास के पहिये पर दौड़ रहा है। इनकी उँगली एकमात्र विकास, शिक्षा और ब्रह्मत्व की ओर इंगित करती है।

आर्यभट्?ट प्राचीन समय के सबसे महान खगोलशास्त्रियों और गणितज्ञों में से एक थे। विज्ञान और गणित के क्षेत्र में उनके कार्य

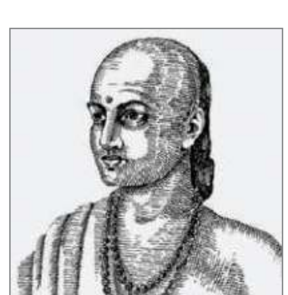

आज भी वैज्ञानिकों को प्रेरणा देते हैं। आर्यभट्?ट उन पहले व्यक्तियों में से थे जिन्होंने बीजगणित यानी एलजेबरा का प्रयोग किया था। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचना आर्यभटिया (गणित की पुस्तक) को कविता के रूप में लिखा। यह प्राचीन भारत की बहुचर्चित पुस्तकों में से एक है। इस पुस्तक में दी गयी ज्यादातर जानकारी खगोलशास्त्र और गोलीय त्रिकोणमिति से संबंध रखती है। आर्यभटिया में अंकगणित, बीजगणित और त्रिकोणमिति के 33 नियम भी दिए गए हैं।

₹कॉपरनिकस₹ से लगभग 1 हजार साल पहले ही आर्यभट्ट ने यह खोज कर ली थी कि पृथ्वी गोल है और उसकी परिधि अनुमानतः 24835 मील है। इस महान वैज्ञानिक और गणितज्ञ को यह भी ज्ञात था कि चन्द्रमा और दूसरे ग्रह सूर्य की किरणों से प्रकाशमान होते हैं। आर्यभट्ट ने अपने सूत्रों से यह सिद्ध किया कि एक वर्ष में 366 दिन नहीं वरन 365.2951 दिन होते हैं।

आर्यभट्ट ने अपने ग्रन्थ आर्यभटिया में अपना जन्मस्थान कुसुमपुर और जन्मकाल शक संवत 398 (476) लिखा है। इस जानकारी से उनके जन्म का साल तो निर्विवादित है परन्तु वास्तविक जन्मस्थान के बारे में विवाद है। कुछ स्रोतों के अनुसार आर्यभट्ट का जन्म महाराष्ट्र के अश्मक प्रदेश में हुआ था और ये बात भी तय है कि अपने जीवन के किसी काल में वे उच्च शिक्षा के लिए कुसुमपुरा गए थे और कुछ समय वहां रहे भी थे।

हिन्दू और बौध परम्पराओं के साथ-साथ सातवीं शताब्दी के भारतीय गणितज्ञ भाष्कर ने कुसुमपुर की पहचान पाटलिपुत्र यानी पटना के रूप में की है। यहाँ पर अध्ययन का एक महान केन्द्र, नालन्दा विश्वविद्यालय स्थापित था और संभव है कि आर्यभट्ट इससे जुड़े रहे हों। ऐसा संभव है कि गुप्त साम्राज्य के अन्तिम दिनों में आर्यभट्ट वहां रहा करते थे। गुप्तकाल को भारत के स्वर्णिम युग के रूप में जाना जाता है।उनके कार्यों की जानकारी उनके द्वारा रचित ग्रंथों से मिलती है।

इस महान गणितज्ञ ने आर्यभटिय, दशगीतिका, तंत्र और आर्यभट्ट सिद्धांत जैसे ग्रंथों की रचना की थी। विद्वानों में आर्यभट्ट सिद्धांत के बारे में बहुत मतभेद है। ऐसा माना जाता है कि आर्यभट्ट सिद्धांत का सातवीं शदी में व्यापक उपयोग होता था। सम्प्रति, इस ग्रन्थ के केवल 34 श्लोक ही उपलब्ध हैं और इतना उपयोगी ग्रंथ लुप्त कैसे हो गया इस विषय में भी विद्वानों के पास कोई निश्चित जानकारी नहीं है।

ऐसा माना जाता है कि आर्यभट्ट ने स्वयं इसे यह नाम नहीं दिया होगा बल्कि बाद के टिप्पणीकारों ने आर्यभटीय नाम का प्रयोग किया होगा। इसका उल्लेख भी आर्यभट्ट के शिष्य भास्कर प्रथम ने अपने लेखों में किया है। इस ग्रन्थ को कभी-कभी आर्य-शत-अष्ट (अर्थात आर्यभट्ट के 108 झ्र जो की उनके पाठ में छंदों कि संख्या है) के नाम से भी जाना जाता है। आर्यभटीय में वर्गमूल, घनमूल, समान्तर श्रेणी तथा विभिन्न प्रकार के समीकरणों का वर्णन है। वास्तव में यह ग्रन्थ गणित और खगोल विज्ञान का एक संग्रह है। आर्यभटीय के गणितीय भाग में अंकगणित, बीजगणित, सरल त्रिकोणमिति और गोलीय त्रिकोणमिति शामिल हैं। इसमे सतत भिन्न (कँटीन्यूड फ्रेक्शन्स), द्विघात समीकरण (क्वड्रेटिक इक्वेशंस), घात श्रृंखला के योग (सम्स ऑफ पावर सीरीज) और ज्याओं की एक तालिका शामिल हैं। आर्यभटीय में कुल 108 छंद है, साथ ही परिचयात्मक 13 अतिरिक्त हैं। यह चार पदों अथवा अध्यायों में विभाजित है.... गीतिकपाद, गणितपाद, कालक्रियापाद, गोलपाद।

इस महान खगोलशास्त्री और गणितज्ञ को सम्मान देने के लिए इसरो ने स्वदेश में निर्मित प्रथम भारतीय उपग्रह का नाम आर्यभट्ट रखा था। क्या कोई भी इनके समकक्ष ज्ञान में टिक सकता है !!

ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के 167 वां शहादत दिवस पर कई दिग्गजों ने दिया श्रद्धांजलि

संवाददाता

रांची : स्वतंत्रता सेनानी और 1857 के महानायक ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के 167 वां बलिदान दिवस धुर्वा गोल चक्कर के निकट उनके प्रतिमा स्थल पर धूमधाम से मनाया गया ।

इस मौके पर स्वतंत्रता सेनानी के वंशज और उत्तराधिकारी राजा ठाकुर प्रवीर नाथ शाहदेव ने कहां की ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव का बलिदान दिवस और जयंती पूरे देश में धूमधाम से मनाना चाहिए और कहां की जैसे वह अपना बलिदान दिए हैं इसको देश के हर इंसान को याद रखना चाहिए इस मौके पर रांची जिले के चर्चित समाजसेवी निपु सिंह ने कहा कि ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जैसा महान पुरुष के चलते ही आज देश को आजादी मिली और हम लोग सुख चैन से रह रहे हैं और कहां की 1857 का विद्रोह में सभी ने ठाकुर शाहदेव को अपना नेता चुना और वह अपने सहयोगी शेख भिखारी,पांडे गणपत राय, नीलांबर पीतांबर और टिकैट उमरांव सिंह के साथ अंग्रेजों के साथ लड़ाई की और सभी ने मिलकर अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दी थी और कहा कि राजा ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को चतरा तालाब के पास अंग्रेजों ने घेर कर उनको पैदल रांची ले आया और 16 अप्रैल को रांची के जिला स्कूल के गेट के निकट कदंब के पेड़ के डाली में लटकाकर फांसी दे दी? गई ।

इस मौके पर श्रद्धांजलि देने वाले में से दर्जनों स्वतंत्रता सेनानी के वंशज, राजेश्वर आलोक कुमार, प्रवीर नाथ शाहदेव बंदना राय, मिथिलेश कुमार पांडे सहित हजारों से अधिक लोगों ने उनकी प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

बिनोद बिहारी महतो के पोता राजेश कुमार महतो का निधन

रांची : झारखंड के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो और पूर्व सांसद राजकिशोर महतो के पुत्र राजेश कुमार महतो उर्फ डब्लू महतो का निधन बुधवार को धनबाद हीरापुर बिनोद बिहारी महतो आवास में हो गया। वे 53 वर्ष के थे। पिछले 6 माह से बीमार चल रहे थे। इनका इलाज कोलकाता में चल रहा था। बीच-बीच में धनबाद अशर्फी अस्पताल धनबाद में भी उनका इलाज होता था। इनको सांस लेने में तकलीफ थी।

राजेश महतो ने हीरापुर

आवास पर ली अंतिम सांस

बुधवार 16 अप्रैल को हीरापुर आवास में उन्होंने आज अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे एक पुत्र आदर्श कुमार महतो समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। स्व डब्लू महतो समाज के कार्यों में हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। घटना की खबर पाकर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, पूर्व विधायक लंबोदर महतो, पूर्व विधायक जेपी पटेल, भाजपा नेता तारा देवी, स्वपन कुमार महतो, राजकिशोर महतो व अन्य ने शोक संवेदना व्यक्त की।

भारतीय संस्कृति के संरक्षण-संवर्द्धन में युवाओं की सहभागिता महत्वपूर्ण : प्रो.(डॉ.) सविता सेंगर

मेट्रो रेज

रांची। झारखंड राय विश्वविद्यालय की कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) सविता सेंगर ने कहा है कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा के संरक्षण-संवर्द्धन के लिए विशेष कर युवा पीढ़ी की सहभागिता महत्वपूर्ण है। प्राचीन परंपराओं के संवाहक के रूप में युवा पीढ़ी को आगे आना जरूरी है। प्रो.श्रीमती सेंगर ने झारखंड राय विश्वविद्यालय, नामकुम, रांची के सभागार में पत्रकारों से बातचीत के क्रम में कहा कि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में मील का पत्थर साबित हो रहा है। शैक्षणिक संस्थानों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना और भारत को वैश्विक शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की पहल सराहनीय है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षा में समानता, शिक्षा को अधिक समावेशी बनाना सभी वर्गों के छात्रों के लिए लाभदायक है। उन्होंने कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है,जिसमें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास शामिल है। छात्रों को आधुनिक युग के कौशल (हुनर) से लैस करने की दिशा में शैक्षणिक संस्थानों का प्रयास प्रशंसनीय है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में कौटिल्य ज्ञान केंद्र की स्थापना से कौटिल्य के अर्थशास्त्र और उनके राजनीतिक विचारों के अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। विदित हो कि कौटिल्य एक प्राचीन भारतीय विद्वान थे, जिन्होंने अर्थशास्त्र, राजनीति और कूटनीति पर महत्वपूर्ण कार्य किया था।

उनके विचारों का प्रचार-प्रसार छात्रों और शोधकर्ताओं के बीच करने के उद्देश्य से झारखंड राय विश्वविद्यालय में कौटिल्य ज्ञान केंद्र की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से कौटिल्य के कार्यों पर अनुसंधान और अध्ययन को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। इसके साथ ही इस क्षेत्र में नए ज्ञान सृजन की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

प्रो. (डॉ.) श्रीमती सेंगर ने कहा कि कौटिल्य ज्ञान केंद्र के माध्यम से कौटिल्य के विचारों पर चर्चा और विचार-विमर्श किए जाने से विकास के विभिन्न आयामों को समझने का अवसर भी प्राप्त होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण-संवर्द्धन की दिशा में कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कौटिल्य ज्ञान केंद्र की स्थापना से विश्वविद्यालय में छात्रों और शोधकर्ताओं को कौटिल्य के विचारों और उनके महत्व को समझने का अवसर भी प्राप्त होगा। इससे भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इन प्रयासों से उच्च शिक्षा में अपेक्षित सुधार संभव होगा।

मंत्री हफीजुल के बयान पर भाजपा का कल विरोध प्रदर्शन

रांची : मंत्री हफीजुल हसन के विवादस्पद बयान को लेकर राज्य में बवाल मचा हुआ है। मंत्री ने शरीयत को संविधान से ऊपर बताया, जिसके बाद से विपक्ष पार्टी लगातार मंत्री पर हमलावर है। अब भाजपा ने मंत्री के संविधान विरोधी बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगी भाजपा : मंत्री हफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान के खिलाफ कल 17 अप्रैल को भाजपा विरोध प्रदर्शन करेगी। यह विरोध प्रदर्शन जिला स्कूल से शुरू होगा और राजभवन तक जायेगा। राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा जायेगा। इस संबंध में मंगलवार (15 अप्रैल) को भाजपा रांची जिला ग्रामीण की बैठक में विरोध प्रदर्शन को लेकर रणनीति बनायी गयी।

मंत्री को संवैधानिक पद से बर्खास्त करने की मांग : बैठक में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि जो संविधान को नहीं मानता, उसे भारतवर्ष में रहने का कोई अधिकार नहीं है। महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा जब तक मंत्री को उनके संवैधानिक पद से बर्खास्त नहीं किया जाता है, तब तक हम विरोध प्रदर्शन करेंगे। सड़क से लेकर सदन तक हम इस मामले का विरोध करेंगे।

मंत्री हफीजुल हसन का बयान : एक न्यूज चैनल को इंटरव्यू देते हुए मंत्री हफीजुल हसन ने संविधान और शरीयत के बीच तुलना की, जिसमें मंत्री ने शरीयत को दिल में और संविधान को हाथ में रखने की बात कही। उन्होंने मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा कि मुसलमान अपने सीने में कुरान और हाथ में संविधान रखते हैं। हम पहले शरीयत और उसके बाद संविधान को महत्त्व देते हैं।

कार्यालय जिला परिषद, रॉंची
(अभियंत्रण शाखा)

शुद्धि-पत्र

PR No.349941

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित ई-निविदा आमंत्रण सूचना टेंडर रिफ्रेन्स नम्बर-**DOPR/DE/Ranchi/01/2025-26** के ग्रुप संख्या-01 **(Repair renovation and of Rajya shram Sansthan building at Doranda, Dist-Ranchi)** को अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक के लिए **स्थगित** किया जाता है। निविदा की शेष शर्त्तें यथावत रहेंगी।

जिला अभियंता
PR 350319 Panchayati Raj(25-26)#D जिला परिषद रॉंची

राजनीतिक एजेंडा पूरा करने के लिए फिल्मों का टूल किट के रूप में हो रहा है प्रयोग: मंत्री

रांची : राजनीतिक एजेंडा को पूरा करने के लिए फिल्मों और मीडिया का टूल किट के रूप में प्रयोग हो रहा है। ये बातें कृषि पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कही। वह मंगलवार को कटियातू स्थित अदन वाटिका में आयोजित झारखंडी कलाकारों का सम्मान, प्रोत्साहन व परिचर्चा-2025 के धरोहर कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि झारखंडी भावना को जीवित रखने में क्षेत्रीय कलाकारों का अहम योगदान रहा है। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू ने कहा कि तेलंगना निर्माण में स्थानीय कलाकारों ने अहम योगदान दिया था, जब राज्य का निर्माण हुआ तो उनके हित में पॉलिसी बनाई गई। इसी तरह झारखंड में भी कलाकारों के हित में नीतियां बनाने पर जोर दिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष कमलेश केशव ने कहा कि सरकार भाषा संवर्द्धन के विकास में काम करेगी। बंधु तिर्की ने भी विचार रखे। मौके पर ट्राइबल सिनेमा के दीपक बाड़ा, मोनिका मुंडू, साहित्य अकादमी के सदस्य महादेव टोप्पो, पूर्व मेयर रमा खलखो, पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद, राजेश गुप्ता, राजीव रंजन, रजा कुमार, राजकुमार नागवंशी सहित कई कलाकार व फिल्म निमार्ता मौजूद थे।

मार्शल आर्ट कैंप में आत्मरक्षा के लिए तैयार हो रही छात्राएं

श्री अग्रसेन स्कूल में चल रहा मार्शल आर्ट कैंप, 21 को होगा समापन

रांची : आज के दौर में आत्मरक्षा हर लड़की के लिए आवश्यक हो गई है। इसी सोच के साथ श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में छात्राओं के लिए 15 दिवसीय मार्शल आर्ट कैंप का संचालन हो रहा है। इस कैंप में करीब तीन सौ छात्राएं आत्मरक्षा की तकनीक सीख रही हैं। सभी को रोजाना सातवाँ डॉन व नेशनल रेफरी नरेंद्र सिन्हा व थर्ड डॉन राशि सिन्हा के द्वारा ट्रेनिंग मिल रही है। कैंप का समापन 21 अप्रैल को होगा।

छात्राओं को मार्शल आर्ट के तहत कराटे, जूडो व अन्य आत्मरक्षा तकनीकों की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। पंच, ब्लॉक, किक, सिंगल हैंड ग्रिप, फेस- चेस्ट अटैक, थाई डिफेंस, नेक अटैक, एलबो अटैक, चेस्ट किक आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। छात्राओं को विशेष रूप से बताया जा रहा कि किस प्रकार वह अपने बचाव के लिए घुटने तथा कोहनी का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में कर सकती हैं। प्राचार्य विवेक प्रधान ने इस विशेष आयोजन के संबंध में कहा कि छात्राओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत किया जा रहा है, ताकि वह किसी भी स्थिति में फंसने पर अपनी सुरक्षा करने में सक्षम बन सकें। इसलिए रोजाना एक घंटे की विशेष क्लास लगती है। जिसमें छात्राओं को मुसीबत की घड़ी में बिना डरे साहस के साथ हमलावरों को मुंहतोड़ जवाब देने का तरीका सिखाया जा रहा है। मार्शल आर्ट सीख रही छात्रा अतिया ने कहा कि मार्शल आट्र्स सीखना अच्छा लग रहा है। यह हम छात्राओं के लिए जरूरी भी है। इसे सीखकर हम अपनी और दूसरों की भी सुरक्षा कर सकेंगे। छात्रा दिव्यांशी ने कहा कि कराटे सीखने से आत्मबल मजबूत हुआ है। पहले हम घर से बाहर निकलने पर असुरक्षित महसूस करते थे, लेकिन जब से प्रशिक्षण लेना शुरू किया है।

उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(खेल शाखा)
(Email ID – dsokhunti2017@gmail.com)

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना

पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग अंतर्गत खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉंची द्वारा खूँटी जिलान्तर्गत संचालित कुल-01 (एक) आवासीय हॉकी बालक प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों के लिए विभाग द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप 350 रू० (सभी कर सहित) प्रति खिलाड़ी प्रति दिन के दर से शुद्ध, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजनादि की व्यवस्था करने हेतु इच्छुक कैटरर से निविदा आमंत्रित की जाती है।

तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग-अलग लिफाफे में दिनांक 15.04.2025 से दिनांक 26.04.2025 अपराह्न 12:00 बजे तक विकास भवन स्थित जिला खेल कार्यालय, खूँटी में निविदा डाल सकेंगे। दिनांक 26.04.2025 को ही अपराह्न 3:00 बजे विकास भवन में उप विकास आयुक्त, खूँटी के कार्यालय कक्ष में निविदा समिति/संचालन समिति की उपस्थिति में निविदा खोला जायेगा जिसमें निविदादाता अथवा उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति अपेक्षित है।

जिले के (01) एक आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र की सूची निम्नवत है :-

1. आवासीय बालक हॉकी क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र, एस०एस० +2 हाई स्कूल, खूँटी। प्रशिक्षुओं की सं०-25 (खिलाड़ियों की संख्या -छुट्टी/प्रतियोगिताओं में जाने पर कम हो सकती है जिसका भुगतान नहीं किया जायेगा।)

नोट :- निविदा आमंत्रण संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए जिले के Website :- www.khunti.nic.in में देखा जा सकता है।

PR 350420 District (25-26)_D
जिला खेल पदाधिकारी, खूँटी

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 02, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi), Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

E- QUOTATION INVITATION NOTICE (2ND Call)

Quotation Reference No : BCD/Bld. Div.No.- 02 - 01/2024-25

Sealed Quotations are invited for the work **Annual Operation and Comprehensive Maintenance of 3 Nos. 260 TR Air Cooled Screw Chillers with Associated Equipment Like AHUS, Pumps Installed at Trauma Centre, RIMS, Ranchi.** from Manufacturers Vendor and Registered B.C.D. Contractors having similar nature of work experience for the items included in this quotation. They Should quote their rates for unit mentioned in the table. The Quotationer shall submit their rates of items which will be Inlclusive of Royalty and all other taxes, (GST) etc.

नोट :-
(1) वेबसाईट मे ई-कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 22.04.2025 के अपराह्न 3:00 बजे।
(2) वेबसाईट मे ई-कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 29.04.2025 के अपराह्न 3:00 बजे तक।
(3) ई-कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 30.04.2025 अपराह्न 3:30 बजे।
(4) ई-कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-02, रॉंची।
(5) ई-कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 7992430721
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR 350426 Building(25-26)#D
Nodal Officer, e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division No.-02, Ranchi

झारखण्ड सरकार,
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

72वीं औपबंधिक सूची
जिला-रॉंची (पार्ट-2)

क्र0	आवेदनकर्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रॉंची के संकल्प संख्या-1938, दिनांक-20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
	विवरण:- चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी रामेश्वर महतो एवं बानेश्वर महतो के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
54.	1. आवेदन क्र0-32/25 2. आवेदक-प्रकाश महतो, पिता-स्व0 घुर्मेश्वर महतो 3. ग्राम-कोम्बो जाराडीह, पोस्ट-आम्बा झरिया, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-अनगड़ा 4. लिंग-पुरूष, आयु-53 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिना बांह में कटा दाग।	कंडिका-2(ix)
55.	1. आवेदन क्र0-33/25 2. आवेदक-जितेन्द कुमार सिंह, पिता-स्व0 ब्रजेश्वर प्रसाद सिंह 3. ग्राम-गोमदा, पोस्ट-राहे, थाना-सोनाहातु राहे, प्रखण्ड-राहे 4. लिंग-पुरूष, आयु-56 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नहीं।	कंडिका-2(ix)
56.	1. आवेदन क्र0-33/25 2. आवेदक-सच्चिदानन्द यादव, पिता-बिहारी यादव 3. ग्राम-बड़कोलमा, पोस्ट-एदेलहातु, थाना-बुण्डू, प्रखण्ड-बुण्डू 4. लिंग-पुरूष, आयु-48 वर्ष, पहचान चिन्ह-दायें हाथ में तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
57.	1. आवेदन क्र0-35/25 2. आवेदक-अर्जुन महतो, पिता-दिलनाथ महतो 3. ग्राम-डोकाद (दरहा टोली), पोस्ट-राहे, थाना-राहे, प्रखण्ड-राहे 4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिने हाथ में काला दाग।	कंडिका-2(ix)
58.	1. आवेदन क्र0-36/25 2. आवेदक-रजो देवी, पति-योगेश्वर महतो 3. ग्राम-चैनपुर, पोस्ट-राहे, थाना-सोनाहातु, प्रखण्ड-राहे 4. लिंग-महिला, आयु-63 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें हाथ में तिल का निशान।	कंडिका-2(ix)
59.	1. आवेदन क्र0-37/25 2. आवेदक-परिना देवी, पति-स्व0 कृष्ण चरण महतो 3. ग्राम-कुलकू सताकी, पोस्ट-सताकी, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-राहे 4. लिंग-महिला, आयु-72 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें होठ में कटा हुआ दाग।	कंडिका-2(ix)
60.	1. आवेदन क्र0-38/25 2. आवेदक-मसो0 सरूना देवी, पति-स्व0 शम्भूनाथ महतो 3. ग्राम-कांटाडीह, सिंगपुर, पोस्ट-छोटामुरी, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली 4. लिंग-महिला, आयु-48 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें गाल पर मासा का दाग।	कंडिका-2(ix)
61.	1. आवेदन क्र0-39/25 2. आवेदक-योगेश्वर महतो, पिता-स्व0 करमा महतो 3. ग्राम-चैनपुर, पोस्ट-राहे, थाना-राहे, प्रखण्ड-राहे 4. लिंग-पुरूष, आयु-67 वर्ष, पहचान चिन्ह-छाती में तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
62.	1. आवेदन क्र0-40/25 2. आवेदक-रामदयाल महतो, पिता-हरिपद महतो 3. ग्राम-आसरी, पोस्ट-बारवादाग, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-अनगड़ा 4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-कान पर तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
63.	1. आवेदन क्र0-41/25 2. आवेदक-पशुपति महतो, पिता-शिवराम महतो 3. ग्राम-तुन्कू, पोस्ट-दोवाडू, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली 4. लिंग-पुरूष, आयु-55 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें गाल पर मासा का दाग।	कंडिका-2(ix)
64.	1. आवेदन क्र0-42/25 2. आवेदक-लम्बोदर महतो, पिता-कैलाश चन्द्र महतो 3. ग्राम-किता, पोस्ट-लोटा, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली 4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें गाल पर मासा का दाग।	कंडिका-2(ix)
65.	1. आवेदन क्र0-133/25 2. आवेदक-जन्मेंजय महतो, पिता-स्व0 देवगुण महतो 3. ग्राम-अम्बाझरिया, पोस्ट-अम्बाझरिया, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-राहे 4. लिंग-पुरूष, आयु-62 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिना चेहरे पर तिल।	कंडिका-2(ix)
66.	1. आवेदन क्र0-134/25 2. आवेदक-अभिराम महतो, पिता-सिधर महतो 3. ग्राम-आसरी, पोस्ट-बरवादाग, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-अनगड़ा 4. लिंग-पुरूष, आयु-59 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नहीं।	कंडिका-2(ix)
67.	1. आवेदन क्र0-135/25 2. आवेदक-बलराम महतो, पिता-हरिपद महतो 3. ग्राम-आसरी, पोस्ट-बरवादाग, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-अनगड़ा 4. लिंग-पुरूष, आयु-53 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर में घाव का दाग।	कंडिका-2(ix)
68.	1. आवेदन क्र0-136/25 2. आवेदक-शनिचरवा उरांव, पिता-स्व0 बिरसा उरांव 3. ग्राम-आसरी, पोस्ट-बरवादाग, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-अनगड़ा 4. लिंग-पुरूष, आयु-61 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नहीं।	कंडिका-2(ix)
69.	1. आवेदन क्र0-137/25 2. आवेदक-हरेन्द्र महतो, पिता-स्व0 रामानाथ महतो 3. ग्राम-सताकी, टोला-भेलवाटीकर, पोस्ट-सताकी, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-राहे 4. लिंग-पुरूष, आयु-48 वर्ष, पहचान चिन्ह-गले में बायें तरफ तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
70.	1. आवेदन क्र0-138/25 2. आवेदक-राधा नाथ महतो, पिता-स्व0 श्रीकृष्णा महतो 3. ग्राम-जिलिंग सेरेंग, पोस्ट-जिलिंग सेरेंग, थाना-तमाड़, प्रखण्ड-तमाड़ 4. लिंग-पुरूष, आयु-47 वर्ष, पहचान चिन्ह-गाल पर तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
71.	1. आवेदन क्र0-139/25 2. आवेदक-अवरज सिंह मुण्डा, पिता-भोलानाथ सिंह मुण्डा 3. ग्राम-बारूडीह, पोस्ट-जिलिंग सेरेंग, थाना-तमाड़, प्रखण्ड-तमाड़ 4. लिंग-पुरूष, आयु-61 वर्ष, पहचान चिन्ह-चेहरा में तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
72.	1. आवेदन क्र0-140/25 2. आवेदक-बानेश्वर महतो, पिता-स्व0 रामदास महतो 3. ग्राम-सताकी, पोस्ट-सताकी, थाना-अनगड़ा, प्रखण्ड-अनगड़ा 4. लिंग-पुरूष, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह-कपाल पर तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
	विवरण:- चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी कालीचरण महतो के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
73.	1. आवेदन क्र0-43/25 2. आवेदक-शकुन्तला देवी, पति-रोहिन सिंह महतो 3. ग्राम-चैनाडीह, बरेडीह, पोस्ट-बरेडीह, थाना-तमाड़, प्रखण्ड-तमाड़ 4. लिंग-महिला, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-कपाल में तिल का दाग।	कंडिका-2(ix)
	विवरण:- चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी सुदामा खलखो एवं भुवनेश्वर केवट के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
74.	1. आवेदन क्र0-44/25 2. आवेदक-चम्पू लकड़ा, पिता-स्व0 महादेव लकड़ा 3. ग्राम-गुंगु टोली, चुटिया, पोस्ट-जी0पी0ओ0, थाना-चुटिया, प्रखण्ड-चुटिया 4. लिंग-महिला, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर में मासा का दाग।	कंडिका-2(ix)
75.	1. आवेदन क्र0-45/25 2. आवेदक-रवि मिंज, पिता-स्व0 अलोईस मिंज 3. ग्राम-शांतीनगर (महाटोली), पोस्ट-जी0पी0ओ0, थाना-सदर, प्रखण्ड-सदर 4. लिंग-पुरूष, आयु-46 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें कान में तिल का निशान।	कंडिका-2(ix)
76.	1. आवेदन क्र0-46/25 2. आवेदक-अजित लकड़ा (आश्रित पुत्र), पिता-स्व0 मार्शल लकड़ा (आन्दोलनकारी) 3. ग्राम-गुंगु टोली, चुटिया, पोस्ट-जी0पी0ओ0, थाना-चुटिया, प्रखण्ड-चुटिया 4. लिंग-पुरूष, आयु-39 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिने आंख के उपर कटा का निशान।	कंडिका-2(ix) (आश्रित पुत्र)
77.	1. आवेदन क्र0-47/25 2. आवेदक-मुकुन्द प्रसाद, पिता-स्व0 जुलूमधारी सिंह 3. ग्राम-विशप स्कूल कम्पाउण्ड, पोस्ट-जीपीओ, थाना-चुटिया, प्रखण्ड-चुटिया 4. लिंग-पुरूष, आयु-51 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिना कान में तिल का निशान।	कंडिका-2(ix)
78.	1. आवेदन क्र0-48/25 2. आवेदक-व्रत राम, पिता-स्व0 भोरसा राम 3. ग्राम-रोल, पोस्ट-टांगर, थाना-चान्हों, प्रखण्ड-चान्हों 4. लिंग- पुरूष, आयु-59 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिना बांह में तिल का निशान।	कंडिका-2(ix)
79.	1. आवेदन क्र0-49/25 2. आवेदक-राम किशुन लोहरा, पिता-स्व0 बन्धन लोहरा 3. ग्राम-बुढ़मू पाहन टोली, पोस्ट-बुढ़मू, थाना- बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग- पुरूष, आयु-63 वर्ष, पहचान चिन्ह-माथा में मासा का निशान।	कंडिका-2(ix)
80.	1. आवेदन क्र0-50/25 2. आवेदक-छेदनी एक्का, पति-फागु उरांव 3. ग्राम-सिदरौल गुरूगांई, पोस्ट-बुढ़मू, थाना- बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग- महिला, आयु-61 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया पैर के ऐड़ी के उपर घाव का निशान।	कंडिका-2(ix)
81.	1. आवेदन क्र0-51/25 2. आवेदक-बसन्ती देवी, पति-मुनेश्वर पहान 3. ग्राम-मुरूपीरी, पोस्ट-मुरूपीरी, थाना- बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग- महिला, आयु-48 वर्ष, पहचान चिन्ह- दाहिना हाथ में कट का निशान।	कंडिका-2(ix)
82.	1. आवेदन क्र0-52/25 2. आवेदक-सुचित पहान, पिता-स्व0 महेश पहान 3. ग्राम-मोहनपुर, पोस्ट-गुरूगांई, थाना-बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग- पुरूष, आयु-53 वर्ष, पहचान चिन्ह- बाया पैर में घाव का निशान।	कंडिका-2(ix)
83.	1. आवेदन क्र0-53/25 2. आवेदक-शर्मा पहान (आश्रित पुत्र), पिता-स्व0 बन्धन पहान (आन्दोलनकारी) 3. ग्राम-मुरूपीरी, पोस्ट-मुरूपीरी, थाना-बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग-पुरूष, आयु-45 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिना हाथ में कट का निशान।	कंडिका-2(ix)
84.	1. आवेदन क्र0-54/25 2. आवेदक-अनिल केरकेट्टा, पिता-स्व0 राजन केरकेट्टा 3. ग्राम-जोहार तेतरी टोली, पोस्ट-नामकोम, थाना- नामकोम, प्रखण्ड-खिजरी 4. लिंग-पुरूष, आयु-48 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया आंख के नीचे मासा का निशान।	कंडिका-2(ix)
85.	1. आवेदन क्र0-141/25 2. आवेदक-पिंकी कुमारी, पति-जगदीश राम 3. ग्राम-बरगाई, पोस्ट-बरियातु, थाना- बरियातु, प्रखण्ड-कांके 4. लिंग- महिला, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया पैर के भौं में कटे का निशान।	कंडिका-2(ix)
86.	1. आवेदन क्र0-142/25 2. आवेदक-अमित कुमार, पिता-बिशलाल महतो 3. ग्राम-गारू, पोस्ट-कांके, थाना- बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग-पुरूष, आयु-47 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर घुटने में चोट का निशान।	कंडिका-2(ix)
87.	1. आवेदन क्र0-143/25 2. आवेदक-बिनोद साहु, पिता-स्व0 बीरमोहन साहु 3. ग्राम-मक्का नवाटोला, पोस्ट-मक्का, थाना- बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग-पुरूष, आयु-52 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें हाथ में तिल के निशान।	कंडिका-2(ix)
88.	1. आवेदन क्र0-144/25 2. आवेदक-नन्द किशोर प्रसाद, पिता-कमल नाथ साहु 3. ग्राम-मतवे, पोस्ट-चाकमें, थाना- बुढ़मू, प्रखण्ड-बुढ़मू 4. लिंग-पुरूष, आयु-56 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया हाथ के बीच अंगुली में चोट का निशान।	कंडिका-2(ix)
89.	1. आवेदन क्र0-145/25 2. आवेदक-विशेश्वर महतो, पिता-स्व0 लोहरा महतो 3. ग्राम-सालबन्दा, पोस्ट-सोनाहातु, थाना- सोनाहातु, प्रखण्ड-सोनाहातु 4. लिंग-पुरूष, आयु-67 वर्ष, पहचान चिन्ह-चेहरा में आंख के सामने काला दाग।	कंडिका-2(ix)
	विवरण:- चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी पुष्कर महतो एवं बंशी प्रसाद के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
90.	1. आवेदन क्र0-55/25 2. आवेदक-अवध बिहारी महतो, पिता - श्री करियो महतो 3. ग्राम-लाली, पोस्ट-लाली, थाना-नामकुम, प्रखण्ड- नामकुम 4. लिंग-पुरूष, आयु-47 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नहीं।	कंडिका-2(ix)

नोट :-
1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य — PR 350397 (Home) 25-26 (D) — (नरसिंह मुर्मू) सदस्य — (दुर्गा उरॉंव) अध्यक्ष

सुविचार

मेहनत अगर आदत बन जाए, तो सफलता ही तकदीर बन जाती है।

सुधार की जरूरत

यानी यूपीआई के एक बार फिर डाउन होने से बड़ी संख्या में यूजर्स को परेशानी झेलनी पड़ी। दो हफ्ते में तीसरी बार इस तरह की दिक्कत पेश आना बताता है कि एक अकेली बॉडी नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के भरोसे रहने के बजाय वैकल्पिक इंतजाम भी किए जाने चाहिए। वैसे, यह भी सच है कि भारत का ऐप्स बेस्ड पेमेंट सिस्टम बाकी दुनिया से कहीं आगे है। यूपीआई के डाउन होने पर एनपीसीआई की ओर से बताया गया कि तकनीकी समस्या की वजह से ऐसा हुआ। दिन में कई घंटे के लिए ट्रांजेक्शन रुक गए। ऐसा ही कुछ मार्च के आखिरी हफ्ते में भी हुआ था और तब भी यही कारण बताया गया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि अप्रैल में यूपीआई ट्रांजेक्शंस बहुत बढ़ गए हैं और इसके पीछे है आईपीएल। इस समय बेटिंग और गेमिंग ऐप्स के चलते ऑनलाइन लेनदेन खूब हो रहा है। इस महीने हर दिन औसतन 60 करोड़ ट्रांजेक्शन किया जा रहा है। केवल मार्च में ही 18 अरब यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए, जबकि इसके पहले के तीन महीनों में यह आंकड़ा केवल 16 अरब था। जाहिर है कि इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने के साथ ही ट्रांजेक्शन भी बढ़ा। जब दो बार पहले टेक्निकल एरर का सामना किया जा चुका था, तो तीसरी बार के लिए तैयारी क्यों नहीं हुई? पूरी दुनिया में जितने ऑनलाइन ट्रांजेक्शन होते हैं, उसके करीब 49% केवल भारत में अंजाम दिए जाते हैं। 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, यूपीआई के जरिये 117.6 अरब लेनदेन किए गए। हर दिन के साथ यह आंकड़ा बढ़ रहा है। इसकी वजह है सहूलियत और देश के दूरदराज के इलाकों तक इंटरनेट की पहुंच। यूपीआइ ने आर्थिक समानता लाने में मदद की है, बैंकों पर से बोझ कम किया है और लेनदेन को चंद सेकंड्स का काम बना दिया है। सबसे बड़ी बात कि इससे लेनदेन पर आम जनता को एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ता। कुछ तकनीकी खामियों के बावजूद यूपीआई जैसा कोई और सिस्टम दुनिया में मौजूद नहीं, जो इतनी बड़ी आबादी के बीच काम कर सके। यही वजह है कि फ्रांस, सिंगापुर, यूएई, मॉरिशस समेत सात देश इसका इस्तेमाल करने लगे हैं और भविष्य में कई और मुल्क भी इससे जुड़ेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एनपीसीआई से बोझ कम करने के लिए एक अम्ब्रेला बॉडी बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन इस पर बात आगे नहीं बढ़ सकी। हालांकि अब समय की जरूरत को देखते हुए लगता है कि यूपीआई को स्मूद और एरर फ्री बनाने के लिए कुछ जरूरी सुधार किए जाने चाहिए।

प्रत्यर्पण की मुश्किलें

पंजाब नैशनल बैंक के साथ 13,500 करोड़ रुपये का लोन घोटाला करने के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत के बढ़ते वैश्विक दबदबे का सबूत है। मुंबई आतंकी हमले के गुनहगार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद हाल में यह दूसरी बड़ी सफलता मिली है। हालांकि राणा की तरह चोकसी को भारत लाने की राह इतनी आसान नहीं होगी। मेहुल और उसके भांजे नीरव मोदी ने भारतीय बैंकिंग सिस्टम की खामियों और अंदर तक फैले भ्रष्टाचार का फायदा उठाकर इतना बड़ा घोटाला किया और जब तक इसका पता चलता, सुरक्षा एजेंसियां उन तक पहुंचतीं, दोनों देश छोड़कर भाग चुके थे। जनवरी 2018 में उनके फरार होने से लेकर अभी तक -7 साल और करीब 4 महीने के दरम्यान दोनों को लेकर अलग-अलग खबरें आती रहीं। इस दौरान प्रत्यर्पण के कई प्रयास हुए, और अब भी चल रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली है। मेहुल और उसके वकीलों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का अपने हिसाब से खूब दुरुपयोग किया है। मई 2021 में जब वह डोमिनिका में गिरफ्तार हुआ, तब भारतीय एजेसियां उसे वापस लाने के बिल्कुल करीब पहुंच गई थीं। लेकिन, उस समय भी उसने कानूनी पेचीदगियों का फायदा उठाया। तब उसकी तरफ से कहा गया था कि वह एंटीगुआ का नागरिक है और चूंकि एंटीगुआ व भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इसलिए उसे नई दिल्ली के हवाले नहीं किया जा सकता। उसका यह भी आरोप था कि भारतीय एजेंसियों के इशारे पर उसे एंटीगुआ से अगवा करके डोमिनिका लाया गया। इन्हीं पेच ने उसे बचा लिया था। बेल्जियम के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन डोमिनिका में जो हुआ, वह एक बार फिर भारत के सामने मुश्किलें खड़ी कर सकता है। तब चोकसी के आरोपों ने भारत के पक्ष को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर किया था। यहां तक कि बाद में इंटरपोल ने अपना रेड कॉर्नर नोटिस भी वापस ले लिया था। प्रत्यर्पण को लेकर यूरोपीय देशों का रवैया बेहद सख्त है। जब तक उन्हें तसल्ली न हो जाए कि आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिलेगा, तब तक वे किसी को प्रत्यर्पित नहीं करते। मेहुल चोकसी के मामले में बेल्जियम को भरोसा दिलाना होगा कि उसका किया घोटाला बेहद गंभीर है, और उसे भारतीय कानूनों के अनुसार सजा जरूर मिलनी चाहिए। भारत को बेल्जियम के साथ अपने रिश्ते के प्रभाव का इस्तेमाल करने से भी नहीं चूकना चाहिए।

प्राइवेट सिस्टम का खेल : आम आदमी की जेब पर हमला

> ब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा ‘कमाई’ पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही ‘पर्ची’ कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, आईसीयू और ‘एडवांस पेमेंट’ की माँग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं, मानो जीवन संकट में हो।

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकार आज निजी संस्थानों के लिए मुनाफे का जरिया बन चुके हैं। प्राइवेट स्कूल सुविधाओं की आड़ में अभिभावकों से मनमाने शुल्क वसूलते हैं। ड्रेस, किताबें, यूनिफॉर्म, कोचिंग...सब कुछ महँगा और अनिवार्य बना दिया गयाहै। वहीं, प्राइवेट हॉस्पिटल डर और भ्रम का माहौल बनाकर मरीजों से मोटी रकम वसूलते हैं। सामान्य बीमारी को गंभीर बताकर महंगी जांच, दवाइयाँ और भर्ती का दबाव बनाया जाता है। इन संस्थानों के पीछे कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण है, जिस कारण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। सबसे अधिक संकट में मध्यम वर्ग पर है, जिसे न सरकारी सेवाओं पर भरोसा है, न प्राइवेट सिस्टम से राहत। यह एक चेतावनी है कि यदि जनता ने अब भी आवाज नहीं उठाई तो शिक्षा और स्वास्थ्य सिर्फ विशेषाधिकार बनकर रह जाएंगे।

भारत एक ऐसा देश है जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले ले तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है।

शिक्षा या व्यापार : प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस आदि। हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी ‘अधिकृत वेंडर’ से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाजार दर से दोगुना होता है, क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे ‘अनिवार्य’ बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है। दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क और फिर ट्यूशन। ऐसे में बच्चे के लिए खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है- '99% लाओ'। जब ये नंबर नहीं आते तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है।

स्वास्थ्य का नाम, व्यापार का काम : अब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा ‘कमाई’ पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही ‘पर्ची’ कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, आईसीयू और ‘एडवांस पेमेंट’ की माँग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं, मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहाँ तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर 'मोर्चरी चार्जेस', 'फ्रीजर चार्जेस' आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है।

सरकार की चुप्पी-क्यों? : इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता। सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल, हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। आखिर ऐसा क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का। सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल- ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में।

मध्यम वर्ग की त्रासदी : गरीबों के लिए सरकार कभी-कभी योजनाएँ बना देती है, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है और फिर उसी जाल में फँस जाता है। एक ऐसा जाल जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही। मध्यम वर्ग न तो सड़क पर उतरता है, न ही आंदोलन करता है। वह हर महीने अपनी जेब काटकर ईएमआई देता है, स्कूल की फीस चुकाता है, हॉस्पिटल के बिल भरता है। बस यही सोचता है ‘और कोई रास्ता भी तो नहीं है।’

समाधान की संभावनाएँ : अगर वास्तव में इस समस्या से निपटना है तो कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। निजी संस्थानों की पारदर्शिता, स्कूलों और अस्पतालों को अपने शुल्क और सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर लगानी चाहिए। एक स्वतंत्र नियामक संस्था होनी चाहिए जो फीस और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करे। एक ऐसी प्रणाली जहां आम नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उनके परिवार का हित इन संस्थानों से ना जुड़ा हो। जब तक आम जनता एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक यह लूट का सिलसिला चलता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य कोई ‘सेवा’ नहीं रह गई है। यह अब एक ‘सर्विस’ है, जिसका मूल्य तय होता है आपकी जेब देखकर। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक समाज के लिए शर्मनाक है। जब तक हम खुद नहीं जागेंगे, आवाज नहीं उठाएंगे, और सिस्टम से जवाबदेही नहीं माँगेंगे। तब तक यह प्राइवेट सिस्टम हमें ऐसे ही लूटता रहेग। हमें यह भी समझना होगा कि दिखावे की दौड़ में शामिल होकर हम अपने बच्चों का बचपन, अपने परिवार की शांति और अपने भविष्य की स्थिरता दाँव पर लगा रहे हैं। यह समय है सवाल पूछने का, व्यवस्था को आईना दिखाने का, वरना जेब तो जाएगी ही, आत्मसम्मान भी खो जाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

> भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है।

प्रियंका सौरभ

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। इसके मानवीय चेहरे-विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई ‘जेंडर न्यूट्रल’ आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू जिम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है— कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के जहरीले मिलन के रूप में।

बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही सीमित हैं लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य समस्याएं बनती जा रही हैं, इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है।

भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज.का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच— ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं— जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है— जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात ‘अम्फान’ के दौरान सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है।

बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती है— जिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है लेकिन जरूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग-आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियाँ धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए अत्यावश्यक है— खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनों— जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा।

ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं- वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं। इसके लिए जरूरत है कि हम उन्हें केवल ‘सहायता की पात्र’ न मानें, बल्कि ‘साझेदार’ के रूप में देखें। बीजिंग रिपोर्ट का यही संदेश है कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना है तो जेंडर और क्लाइमेट को एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक साथ समझना होगा। एक महिला जब सूखते हुए तालाब की मिट्टी कुरेदकर अपने बच्चे के लिए पीने का पानी निकालती हैं तो वह सिर्फ मातृत्व नहीं बल्कि जलवायु संकट की सबसे त्रासद छवि बन जाती है। अब वक्त है कि नीति, विज्ञान और समाज- तीनों मिलकर उसकी आवाज को गंभीरता से सुनें।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विकट संकष्टी चतुर्थी पर भगवान गणेश की करें पूजा

हर साल वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाता है। विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। यह व्रत भक्तों की सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाने में सहायक होता है। इस बार 16 अप्रैल 2025 को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जा रहा है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और शुभारंभ के देवता के रूप में पूजा की जाती है। यह तिथि भगवान गणेश की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए बेहद अच्छी मानी जाती है। तो आइए जानते हैं विकट संकष्टी चतुर्थी की तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में...

तिथि और मुहूर्त : हिंदू पंचांग के मुताबिक कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 01:16 मिनट से शुरू हो रही है। वहीं 17 अप्रैल को दोपहर 03:32 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। इस दिन

चंद्रोदय रात 09:54 मिनट पर होगा। संकष्टी चतुर्थी व्रत का पारण चंद्रदेव को अर्घ्य देने के बाद किया जाता है।

पूजा मुहूर्त : इस दिन सुबह जल्दी उठकर सूर्योदय से पहले पवित्र स्नान करें और स्वच्छ कपड़े पहनें। इसके बाद सूर्य देव को जल दें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद एक चौकी पर भगवान गणेश की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित करें। फिर भगवान गणेश को दुर्वा, फल, फूल और मिठाई आदि अर्पित करें और घी का दीपक जलाएं। पूजा में भगवान गणेश को मोदक और लड्डू का भोग लगाएं और मंत्रों का जाप करें। फिर विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत की कथा पढ़ें और आरती करें। वहीं रात में चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत का समापन करें।

गणेश जी के मंत्र

श्री वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटी समप्रभा। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व-कायेर्शु सर्वदा॥

ॐ श्रीं गं सौभाग्य गणपतये। वर्वर्द सर्वजन्म में वषमान्य नमः॥

ॐ एकदन्ताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दन्ति प्रचोदयात॥

ॐ गं गणपतये नमः॥

सेहत

रामबाण से कम नहीं है पुदीना

पुदीना एक ताजा जड़ी बूटी है जिसका आमतौर पर औषधीय रुप में उपयोग किया जाता है। पुदीना न केवल अपने ठंडे स्वाद के लिए जाना जाता है, बल्कि इसके संभावित स्वास्थ्य लाभों के लिए भी जाना जाता है – खासकर जब वजन कंट्रोल की बात आती है। एंटीऑक्सीडेंट और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर पुदीना फैट,मेटाबॉलिज्म और पाचन में सहायक भूमिका निभा सकता है। पुदीना पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करता है जो भोजन से पोषक तत्वों को अवशोषित करने और फैट्स को इक्ट्ठा करने के बजाय उपयोग करने योग्य ऊर्जा में परिवर्तित करने में मदद करते हैं। जबकि पुदीना अकेले वजन घटाने के लिए एक चमत्कारी उपाय नहीं है बल्कि इसे संतुलित आहार और स्वस्थ लाइफस्टाइल में शामिल करने से शरीर की प्राकृतिक फैट्स-जलने की प्रक्रिया में वृद्धि हो सकती है। ऐसे में आप पुदीने को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। गर्मी के दिनों में पुदीना सिर्फ आपको ठंडक ही नहीं देता है, बल्कि यह वजन को कम करने में भी मदद करता है।

डाइजेशन होता है बूस्ट अप : अगर आप पुदीने को डाइट में शामिल करते हैं, तो यह डाइजेशन को बूस्टअप करता है। गौरतलब है कि पुदीना डाइजेस्टिव एंजाइमों को उत्तेजित करता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है। इसके सेवन से आपका पाचन सही तरह से काम करता है, तो आपका शरीर फैट और काबोर्हाइड्रेट को अधिक बेहतर तरीके से प्रोसेस करता है, जिससे शरीर में अनावश्यक वसा जमा नहीं होता है। इतना ही नहीं, यह ब्लोटिंग को कम करने में मदद करता है, जिससे आप अधिक लाइट महसूस करते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

छात्रों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए योजनाओं का लाभ : उपायुक्त

मेट्रो रेज

साहिबगंज : समहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न शिक्षा योजनाओं और कार्यों की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा शिक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर में जोर दे।इस वाबत उपायुक्त ने अपार एंट्री स्टेटस, शिक्षकों की उपस्थिति, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सहित विद्यालय प्रबंधन समिति की राशि के समुचित उपयोग पर विशेष ध्यान देने को उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बच्चों को पिछली तीन वर्षों के पाठ्यवस्तु का दोहराव कराते हुए उनकी बुनियादी समझ को मजबूत किया जाए ताकि शिक्षा में आई रुकावट को दूर किया जा सके।इसके अलावा विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, मिड-डे मील की गुणवत्ता, पुस्तक वितरण, गणवेश वितरण, छात्रवृत्ति भुगतान आदि बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं का लाभ छात्रों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँचना चाहिए और इसके लिए समय-समय पर निगरानी आवश्यक है।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी उर्मिला हांसदा समेत बीईओ, बीपीओ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति की निगरानी करें और किसी भी तरह की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

घाघीडीह केंद्रीय कारा में जिला प्रशासन की छापेमारी

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के घाघीडीह केंद्रीय कारा में मंगलवार रात जिला प्रशासन ने अचानक छापेमारी की। इससे जेल परिसर में खलबली मच गयी। बिना किसी पूर्व सूचना के की गई इस कार्रवाई ने जेल प्रशासन और बंदियों को पूरी तरह चौंका दिया। यह कार्रवाई डीएसपी तौकीर आलम और अंचलाधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में विशेष पुलिस बल के साथ की गई। प्रशासन की टीम ने जेल के हर वार्ड और परिसर की गहन तलाशी ली। हालांकि छापेमारी के दौरान किसी आपत्तिजनक वस्तु की बरामदगी नहीं हुई है।छापेमारी की शुरूआत गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें जेल के भीतर चल रही संदिग्ध गतिविधियों और नियमों के उल्लंघन की आशंका जताई गई थी। जैसे ही छापेमारी शुरू की, जेल में अफरा-तफरी मच गई। टीम ने पूरे परिसर की बारीकी से जांच की। सूत्रों के अनुसार, इस तरह की छापेमारी का उद्देश्य जेल में किसी भी तरह की अवैध या संदिग्ध गतिविधि पर लगाम लगाना और जेल व्यवस्था को दुरुस्त करना है।

लातेहार में वज्रपात ने बरपाया कहर, एक की मौत, छह घायल

मेट्रो रेज

लातेहार: जिले में दो अलग-अलग वज्रपात की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई. जबकि 6 अन्य घायल हो गए. सभी घायलों का इलाज लातेहार सदर अस्पताल में चल रहा है. सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण ने बताया कि घायलों में एक की स्थिति गंभीर है. शेष अन्य खतरे से बाहर हैं.

दरअसल पहली घटना बालूमाथ थाना क्षेत्र के रजवार गांव में घटी. यहां वज्रपात की चपेट में आने से तारालाल उरांव की मौत हो गयी. जबकि शांति देवी और उनके पति शामदेव उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जाता है कि तीनों मवेशी चराकर घर लौट रहे थे. इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी और वज्रपात हो गई. वज्रपात की चपेट में आने से तीनों घायल हो गए. सभी को सदर अस्पताल लाया गया. जहां चिकित्सकों ने तारालाल उरांव को मृत घोषित कर दिया.

वज्रपात की चपेट में आने से चार घायल

वज्रपात की दूसरी घटना जिले के चंदवा प्रखंड अंतर्गत बनहरदी गांव में घटी. यहां वज्रपात की चपेट में आने से 4 लोग घायल हो गए. सभी लोग मंगलवार की देर शाम गांव की ओर लौट रहे थे. इसी दौरान अचानक बारिश के साथ वज्रपात हो गई. जिसकी चपेट में आने से सभी घायल हो गए. सभी को सदर अस्?पताल, लातेहार लाया गया है. इधर, डॉक्टर श्रवण ने बताया कि वज्रपात की घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है. जबकि 6 अन्य लोग घायल हो गए हैं. घायलों का इलाज किया जा रहा है.

आस पास के ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताया

साहिबगंज/मंडरो: प्रखंड के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के बेलभद्री ग्राम स्कूल से करीब सौ मीटर की दुरी से मिजाचौकी पुलिस ने ग्रामीणों की सुचना पर बीते रात्रि अचेता अवस्था में घायल सरीता माल्टो 37 वर्षीय को बरामद किया है।बाद में सदर अस्पताल ले जाने के क्रम में उक्त महिला की मौत हो गई। मिजाचौकी थाना के एएसआई सोमरा लोहरा ने बताया कि रात्रि गस्ती के दौरान सुचना मिली कि बेलभद्री ग्राम में घायल अचेता अवस्था में महिला पड़ी है।उसे तुरंत सदर अस्पताल साहिबगंज ले जाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।आस पास के ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताया है।मिजाचौकी पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। पुलिस के अनुसार मृतक का अभी तक पहचान नहीं हो पाया है था,बाद में मृतक के भाई सूरजा पहाड़िया ने पहचान किया है। कि उसकी बहन सरीता माल्टो की शव है, वहीं प्रार्थमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया।की जारही थी , मृतक की शादी बेलभद्री गाव के गेब्रियल माल्टो से हुई थी,आठ वर्ष पहले गेब्रियल की मृत्यु हो चुकी थी। मृतक अपने ससुराल बेलभद्री में रहती थी,इधर मृतक के तीन बच्चे हैं, रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं मिजाचौकी थाना पुलिस एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए थाना लाया गया है। थाना पुलिस गहन जांच में जुटी है।

अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 8 पोकलेन मशीनें जब्त

- मंडरो अंचल में चल रहे अवैध खनन का भंडाफोड़, विस्फोटक इस्तेमाल का संदेह
- अज्ञात खननकर्ता और पोकलेन मालिकों पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश

मेट्रो रेज

साहिबगंज : जिले के मंडरो अंचल में प्रशासन ने अवैध खनन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 पोकलेन मशीनें जब्त की हैं। उपायुक्त महोदय के निर्देश पर मंगलवार को दोपहर लगभग दो बजे यह छापेमारी अभियान चलाया गया।कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द ने किया। उनके साथ अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू, राजस्व उप निरीक्षक संजय गुप्ता अंचल निरीक्षक मो० फारूक एवंओआरटी टीम शामिल रही। टीम जब बेलभद्री मौजा स्थित खनन स्थल पर पहुंची, तो वहां कार्यरत सभी व्यक्ति भाग खड़े हुए, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी और कागजातों की जांच भी संभव नहीं हो पाई।छापेमारी के दौरान यह पाया गया कि खनन स्थल पर कार्यरत 8 पोकलेन मशीनों को दाग संख्या-20 के समीप झाड़ियों एवं पहाड़ की तलहटी में छुपा दिया गया था और उनके रास्ते पर जानबूझकर मिट्टी डालकर अवरुद्ध किया गया था। जांच में सामने आया कि लगभग 5 से 6 अलग-अलग स्थानों पर अवैध खनन हो रहा था। प्रशासन ने जब्त की गई सभी मशीनों को मिजाचौकी थाना प्रभारी की अभिरक्षा में सौंप दिया है। साथ ही, अज्ञात खननकर्ता, खनन पट्टाधारी व पोकलेन मशीनों के चालक,मालिकों के विरुद्ध झारखंड लघु खनिज समन्वयन नियमावली 2004 खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम 1957 अन्य सुसंगत विधिक प्रावधानों के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश जारी किया गया है।प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध खनन के विरुद्ध एक कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

प्रखंड कांग्रेस पर्यवेक्षक देबू बिस्वास ने संगठन के सशक्तिकरण पर किया चर्चा

मेट्रो रेज

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड के नवनियुक्त पर्यवेक्षक देबू बिस्वास ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के इस्लामपुर स्थित आवास में बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू के अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आहूत की। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम एवं जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान उपस्थित रहे।बैठक में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर से प्रखंड स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए संगठन के सशक्तिकरण पर चर्चा किया गया।बरहरवा प्रखंड केनवनियुक्त पर्यवेक्षक देबू बिस्वास ने कहा कि झारखंड में काँग्रेस पार्टी महागठबंधन सरकार में शामिल है और राज्य की जनता के बेहतर विकास के लिए सभी क्षेत्र में काम कर रही है।राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आम लोगो को कैसे मिले इसके लिए ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर पर कार्यकर्ता जनता से मिलकर उनका सहयोग करें जिससे संगठन और आम लोगो के बीच एक रिश्ता कायम होगा और संगठन मजबूती की ओर अग्रसर होगा।वहीं पर्यवेक्षक देबू बिस्वास ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पार्टी में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बैठक में उपस्थित प्रखंड पदाधिकारी एवं पंचायत पदाधिकारीगण को मुख्य रूप से ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर से प्रखंड स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में कई सारी निर्देश दिये एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।बूथ कमेटी गठन करने का भी निर्देश दिया गया।साथ ही प्रत्येक बूथ से एक एक बीएलए भी बनाना का निर्देश दिया गया ताकि बूथ लिस्ट में कितने और किन किन का नाम जोड़ा जा रहा है और किस किस का नाम काटा जा रहा है इसपर हमारी नजर रहे।पर्यवेक्षक देबू बिस्वास ने कहा कि जिस तरह से अपने विधानसभा चुनाव में झारखंड में रिकॉर्ड मत से विधायक निसात आलम को जीतने का काम किया है इस तरह आप संगठन मजबूती को लेकर जमीन स्तर पर कम करें और हमारे राहुल गांधी के हाथ को मजबूत करें। मौके पर जिला 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास रैसुल आलम,मो रफीक,मोरसलीन खान,नबीद अंजुम,जमीरुल इस्लाम,अहदक हुसैन,रबीउल इस्लाम, हजरत अली, काजल, शमीम, चंदा देवी, सकील, सहमद खान, हैपी दा,मिथुन मंडल,निताई सरकार नेहाल अख्तर,अब्दुल करीम, शरिक रब्बानी,अजीत कुमार रॉय, पंचायत अध्यक्ष सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्तागण मौजूद थे।

मिर्जाचौकी चेक नाका पर जांच के क्रम में पकड़े गए दो ट्रकों से फर्जी चालान

साहिबगंज/ मंडरो: प्रखंडअतर्गत मिजाचौकी चेक नाका पर जांच के क्रम में पकड़े गए दो ट्रकों से फर्जी चालान मामले में मिजाचौकी चेकनाका पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी पुनीत कुमार सिंह के ब्यान पर गाड़ी मालिक चालक सहित चार लोगों पर मिजाचौकी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहा है कि 13 अप्रेल की रात्रि करीब 11 बजे मिजाचौकी खनन चेकनाका पर वाहन जांच के दौरान स्टोन चिप्स लोड ट्रक वाहन संख्या बीआर 51- 6693 एवं हाइवा वाहन संख्या बीआर 10 जीसी 2521के परिवहन चालान जो मेसर्स मां वैष्णवी स्टोन वर्क्स के नाम से निर्गत था जबकि वैष्णवी स्टोन वर्क्स का सीटीओ भी फेल है।उक्त परिवहन चालान को आंन लाईन पोर्टल पर जब जांच किया गया तो फर्जी पाया गया।उक्त चालान सत्यमेव स्टोन वर्क्स मौजा मुंडली के मंटु ठाकुर एवं गुडनेश चौधरी द्वारा संयुक्त रुप से संचालित है जो पुर्व में ही निर्गत किया जा चुका था। संभवत: स्केन कर उक्त चालान को फर्जीवाड़ा किया गया होगा।वहीं चालक द्वारा पुछताछ में बताया कि स्टोन चिप्स चार नम्बर के अभियानंद भगत के क्रशर से लोड किया गया था।इधर मामले को लेकर दोनों ट्रक के चालक,मालिक सहित रवि कुमार यादव,चंदन महतो,मंटु ठाकुर एवं गुडनेश चौधरी पर माइंस मिनरल एक्ट के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। मामले में मिजाचौकी पुलिस ने तीन लोगों क्रमश: सुमन यादव,बिपिन कुमार एवं रवि कुमार यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक घायल, रेफर

मेट्रो रेज

चतरा। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत चतरा-डोभी मुख्य पथ पर नवाडीह चेकनाका के समीप मंगलवार की देर शाम वाहन की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक बिहार के गया जिला के बांकेबाजार थाना क्षेत्र के हरजकेल निवासी राहुल कुमार पिता रामसेवक दास बताया जाता है। सड़क दुर्घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राहुल अपने बाइक से हंटरगंज की ओर आ रहा था। इसी दौरान हंटरगंज की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दिया। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत उसे बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि इस घटना में राहुल का दाहिना पैर टूट गया है एवं सिर में गंभीर चोट लगी है। दुर्घटना के बाद गाड़ी चालक भागने में सफल रहा। वहीं ग्रामीणों ने बेलगाम रफ्तार में सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की गति सीमा पर अंकुश लगाने को लेकर जिला प्रशासन से मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर इन बेलगाम वाहनों की रफ्तार पर लगाम नहीं लगाई गई तो आने वाले दिनों में और भी दुर्घटना हो सकती है।

उपायुक्त की अगुवाई में रक्तदान शिविर का आयोजन

मेट्रो रेज

चतरा। सूबे के मुख्यमंत्री झारखंड हेमंत सोरेन द्वारा राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त को रक्तदान शिविर आयोजित करवाने का निर्देश मिला था। ताकि अधिक से अधिक रक्त संगृहीत किया जा सके। जिससे गंभीर बीमारी या आपात स्वास्थ्य स्थिति के समय रक्त की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। निर्देश के आलोक में चतरा के उपायुक्त रमेश घोलप के निदेर्शानुसार मंगलवार को विकास भवन स्थित जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में सुबह 10 बजे से संध्या 5 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन कर जिले के विभिन्न कार्यालयों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान के पश्चात सभी ने सेल्फी प्वाइंट पर जाकर सेल्फी खिंचाई। इससे पूर्व उपायुक्त रमेश घोलप एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। रक्तदान शिविर का उपायुक्त ने निरीक्षण कर रक्तदान करने वाले सीआरपीएफ, पुलिस कर्मी, जिले व प्रखण्ड के अधिकारियों व कर्मियों का हौसला अफजाई की। उपायुक्त के अलावा पुलिस अधीक्षक, एसडीओ, डीएफओ समेत जिले के अन्य वरीय अधिकारियों ने भी रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और रक्तदान का महादान किया।

पूरे साल कैलेंडर बनाकर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे: उपायुक्त

उपायुक्त रमेश घोलप ने कहा कि जिले के सरकारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा उत्साह से स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। रक्तदान महादान है क्योंकि रक्तदान से जिंदगियां बच सकती है। इसके लिए सभी को बढ़-चढ़ कर आगे आना चाहिए। कहा कि जिले में रक्त संगृहीत रहने से थैलेसीमिया,एनीमिया, एक्सीडेंटल समेत अन्य गंभीर बीमारी या आपात स्वास्थ्य स्थिति के समय रक्त की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। आगे उन्होंने कहा जिले की ब्लड बैंक में मरीजों को पर्याप्त मात्रा में रक्त की सुनिश्चितता करने हेतु पूरे साल कैलेंडर बनाकर कैम्प आयोजित किए जाएँगे।

न्यूज IN ब्रीफ

साहिबगंज विद्युत कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन सौंपा

साहिबगंज : सदर प्रखंड के युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कौसर आलम ने साहिबगंक विधुत कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन सौंपा । जबकि बताया गया तीन घरिया टोला में खंभा व तार लगाने का मांग की वही कौसर आलम ने बताया कि साहिबगंज सदर प्रखंड क्षेत्र के तीनघरिया टोला में जुहू के घर से जमशेद के घर तक पोल खंभा अब तक नहीं लगा।जबकि इनके आस पास बिजली पहुंचने से लगभग 15 वर्ष हो चुके लेकिन यहां अब तक पोल खंभा नहीं लगा ।जबकि यहां के लोग किसी तरह बास डंडे के सहारे ऑक्सी लगाकर लाइट जला रहे हैं।लेकिन बरसात और बाढ़ के मौसम में बहुत ही कठिनाई का सामना करना पड़ता है।वहीं विधुत कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन दिया।कि बहुत जल्द समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।मौके पर मुख्तार अहमद,अब्दुल वाहिद,मोईदूर रहमान आदि मौजूद थे।

समय से नहीं खुलता है झिकटीया आंगनबाड़ी केंद्र

हंटरगंज। प्रखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था का बुरा हाल है। कई आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका का समय से न पहुंचने का सिलसिला जारी है। जिससे बच्चों की पढ़ाई के साथ पोषणयुक्त भोजन प्रभावित हो रही है। इसके बाद भी लापरवाह सेविका के खिलाफ कार्रवाई महज खानापूर्ति के लिए की जाती है।वहीं सरकार द्वारा यहां के नौनिहालों के शारीरिक और मानसिक विकास कि दिशा में और नौनिहालों को उचित पोषक आहार के साथ अच्छी प्रारंभिक शिक्षा मिल सके इसके लिए क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्र खोले थे। लेकिन केंद्र पर कार्यरत सेविका और सहायिका के साथ पर्यवेक्षका की अनदेखी के कारण आंगनबाड़ी केंद्र समय पर नहीं खुल रहे हैं। स्थिति यह है कि है कि केंद्र के गेट पर 9 बजे तक ताले लटकते रहते हैं। जिसके कारण बच्चों के अभिभावकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। ऐसा भी नहीं हैं कि आंगनबाड़ी केंद्र में बरती जा रही लापरवाही की खबर विभागीय अफसरों को होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत झिकटिया आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 0123 का जहां केंद्र खुलने का समय सुबह 7 बजे है जबकि सेविका 10:02 मिनट पर पहुंची। जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को मिली तो ग्रामीणों ने वार्ड सदस्य से शिकायत की शिकायत मिलने के पश्चात वार्ड सदस्य विपेंद्र कुमार केंद्र पहुंचे तो देखा कि केंद्र में सेविका नहीं पहुंची है उसके बाद विपेन्द्र ने सीडीपीओ, प्रवेक्षिका को दूरभाष के माध्यम से इसकी शिकायत की। जिसके बाद आनन -फानन में सेविका पूनम कुमारी 10:02 मिनट में केंद्र पहुंची। ग्रामीणों का आरोप है कि पूनम कुमारी केंद्र संचालन में मनमानी करती है। साप्ताहिक मेनू के अनुसार बच्चों को नियमित खाध पदार्थ नही देती है।

क्या कहते हैं सीओ सह सीडीपीओ : इधर इस संबंध में हंटरगंज अंचल अधिकारी सह बाल विकास परियोजना अधिकारी ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है । जांच की जा रही है। जांच के उपरांत करवाई की जाएगी।

तिलका मांझी का भूमि पूजन

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड क्षेत्र के खैरवा पंचायत के गारापानी पहाड़ पर हिलएसेम्बली पहाड़िया महासभा के माध्यम से बाबा जवरा पहाड़िया उर्फ तिलका मांझी का भूमि पूजन किया गया।जिसमें उपस्थित जिला अध्यक्ष तिमोति मालतो सरदार फागु पहाड़िया सरदार मैसा पहाड़िया सरदार मरकुस मालतो नायब मंगल पहाड़िया सदस्य सुरजी पहाड़िन सदस्य गांगी पहाड़िन सदस्य रुपी पहाड़िन सदस्य मैसी पहाड़िन सदस्य सुरजी पहाड़िन इत्यादि मौजूद थे

गढ़वा के रिटायर्ड कर्मी से लाखों की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

गिरिडीह: गढ़वा के रिटायर्ड कर्मी से 20 लाख से ज्यादा ठगी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने छापेमार कार्रवाई में एक युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक का नाम लक्ष्मण मंडल है जो मुफ्फसिल थाना इलाके के मंडाटांड का निवासी है. लक्ष्मण की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्य सरगना प्रदीप मंडल की तलाश कर रही है. दरअसल पिछले दिनों गढ़वा के एक रिटायर्ड कर्मी को साइबर अपराधियों ने फोन पर झांसे में लिया था. झांसे में लेने के बाद उनके खाते से 20 लाख से ज्यादा की ठगी को अंजाम दिया गया था. पीड़ित शख्स ने इस मामले की शिकायत गढ़वा थाना पुलिस से की थी. शिकायत के बाद गढ़वा के पदाधिकारी गिरिडीह पहुंचे, यहां एसपी डॉ. बिमल से सम्पर्क किया. एसपी के निर्देश पर मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने गढ़वा पुलिस को सहयोग किया. दोनों जिला की पुलिस ने मुफ्फसिल थाना इलाके के मंडाटांड में छापा मारा. यहां से लक्ष्मण मंडल नामक युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार लक्ष्मण से पुलिस ने पूछताछ की, तो यह साफ हुआ कि पूरे कांड का मास्टरमाइंड प्रदीप नामक युवक है. ऐसे में प्रदीप की खोजबीन शुरू की गई. हालांकि प्रदीप के अलावा उसके पिता की भी खोज की गई ताकि पूरी सच्चाई पता चल सके. लेकिन दोनों फरार मिले. ऐसे में लक्ष्मण को लेकर गढ़वा पुलिस चली गई. हालांकि मुफ्फसिल पुलिस दोनों बाप बेटे की खोज में जुटी है. लक्ष्मण मंडल नामक युवक को गढ़वा पुलिस अपने साथ ले गई है. लक्ष्मण ने जो जानकारी दी है उसके बाद भी मंडाटांड इलाके में छापेमारी की जा रही है: श्याम किशोर महतो, थाना प्रभारी, मुफ्फसिल गिरिडीह साइबर पुलिस भी हुई सक्रिय। दूसरी तरफ इस घटनाक्रम के आने के बाद साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में पुलिस टीम भी सक्रिय हो गई है. साइबर की टीम ने गपई और मंडाटांड के अलावा इस इलाके में सक्रिय साइबर ठगों की छानबीन शुरू कर दी है. पुराने मुकदमों को भी खंगाला जा रहा हैं. डीएसपी कहते हैं कि पहले भी इस इलाके में कार्रवाई की जा चुकी है.

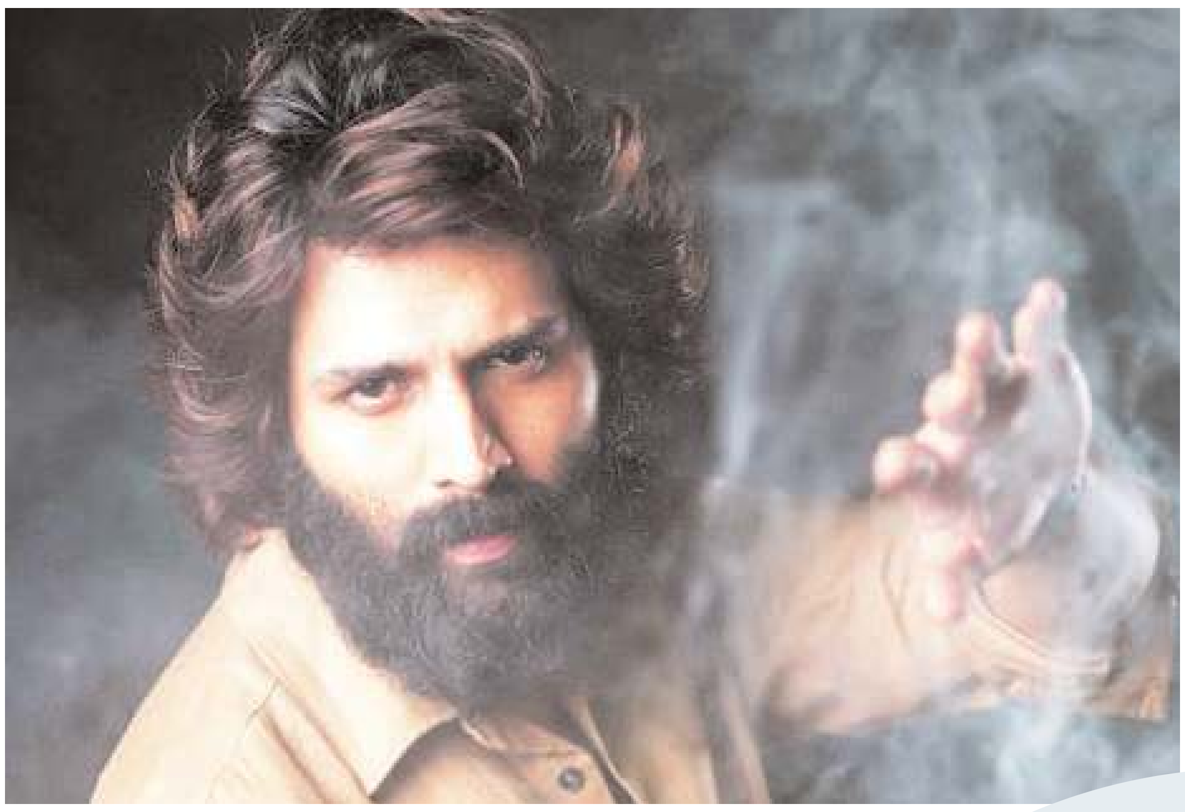

नागजिला में दोहरी भूमिका में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन हिंदी सिनेमा के सबसे मशहूर युवा अभिनेताओं में से एक हैं और उनके पास ऐसी कई फ़िल्में हैं, जिनसे बॉक्स ऑफ़िस पर धमाल मचाने की उम्मीद है। जहाँ वे अनुराग बसु के निर्देशन में अगली फ़िल्म में नज़र आने वाले हैं, वहीं वे तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी और नागज़िला में भी नज़र आएंगे, दोनों फ़िल्में करण जौहर द्वारा निर्मित हैं। युवा नायक को निर्माताओं द्वारा 50 करोड़ रुपये की पेशकश की जा रही है, जो उनकी स्थिति को मज़बूत करने का एक संकेत है। नागजिला में कार्तिक आर्यन दोहरी भूमिका में होंगे। एक सूत्र ने बताया, नागजिला मानव बनाम साँप संघर्ष पर एक प्रफुल्लित करने वाला रूप है, और सबसे बड़ा ट्विस्ट कार्तिक आर्यन की दोहरी भूमिका की यूएसपी से उपजा है। जवान में शाहरुख की तरह, कार्तिक के दो किरदार नायक और खलनायक होने के कगार पर होंगे, लेकिन एक हास्यपूर्ण मोड़ के साथ। नागजिला सभी फुकरे फिल्मों से भी ज्यादा मजेदार है, और निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा बतौर निर्देशक अपने करियर की सबसे महत्वाकांक्षी और रोमांचक यात्रा पर निकलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म को मृगदीप सिंह लांबा निर्माता महावीर जैन के साथ मिलकर विकसित कर रहे हैं, जिन्होंने इसे शानदार बनाने के लिए करण जौहर के साथ साझेदारी की। तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग पूरी होने के बाद टीम सितंबर से शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भतीजे इब्राहिम अली खान को सोहा ने दी जरूरी सलाह

इन दिनों सोहा अली खान फिल्म 'छोरी 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में नुसरत भरुचा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महिलाओं, लड़कियों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे के साथ हॉरर एंगल को जोड़ा गया है। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान ही सोहा अली खान ने करियर और निजी जीवन से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। खासकर अपने भतीजे इब्राहिम अली खान के एक्टिंग डेब्यू, सोशल मीडिया पर उसे मिल रही ट्रोलिंग को लेकर काफी कुछ कहा।

फिल्म 'नादानियां' से इब्राहिम अली खान ने एक्टिंग में डेब्यू किया, खराब एक्टिंग के लिए इस यंग एक्टर को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। इस ट्रोलिंग पर सोहा अली खान ने नयनदीप रक्षित के यूट्यूब चैनल पर कहा, 'इब्राहिम को अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो उसकी हां में हां मिलाते हों।'

सोशल मीडिया कमेंट्स ना पढ़ने को कहा

वह आगे कहती हैं, 'अगर कोई भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहा है तो उन्हें इस तरह की बातों के लिए तैयार रहना चाहिए। लोगों की राय को हजम करने की क्षमता होनी चाहिए। हां, सोशल मीडिया पर जो कमेंट्स मिलते हैं, उनको पढ़ने से जरूर बचना चाहिए। लेकिन कई बार मुझे लगता है कि ये कमेंट्स भी इंपॉर्टेंट साबित होते हैं। इनके जरिए आपको अपने काम में सुधार करना चाहिए, अपने क्राफ्ट पर काम करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।'

क्या है छोरी में सोहा का रोल

आज यानी 11 अप्रैल को ही ओटीटी पर फिल्म 'छोरी' रिलीज हुई है। इसमें सोहा अली खान ने दासी मां नाम का नेगेटिव शेड कैरेक्टर निभाया है, यह फिल्म की विलेन भी कही जा सकती है। इस फिल्म में सोहा दर्शकों को बहुत हद तक डराने में कामयाब रही हैं।

आपको अगर ऐसे खुशी मिलती है तो...

प्लास्टिक सर्जरी के दावों और ट्रोलिंग पर मौनी ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय को प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के बाद ट्रोल किया जा रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम में उन्होंने लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के वायरल होने के बाद से चर्चा में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने पिछले कुछ महीनों से लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें उन बेकार ट्रोल्स की परवाह नहीं है, जो मतलबी टिप्पणियां पोस्ट करके खुशी पाते हैं।

ट्रोलिंग पर मौनी की प्रतिक्रिया

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने उनसे ट्रोलिंग के बारे में पूछा। अपनी ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो।

लुक चेंज होने पर ट्रॉल हुई थीं मौनी

मौनी रॉय हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं। इस इवेंट में उनकी मौजूदगी ने ट्रोल्स को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि मौनी के माथे में कुछ गड़बड़ है और कहा गया कि मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है, जो गलत हो गई।

सनी देओल के करियर की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनी जाट, वीकेंड 40 करोड़ के पार

10 अप्रैल को सिनेमाघरों में पहुँची सनी देओल की फिल्म जाट सधे हुए कदमों से बॉक्स ऑफिस पर अपना सफल प्रदर्शन जारी रख रही है। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसन्द किया जा रहा है। माउथ पब्लिसिटी के सहारे अब दर्शकों की पदचाप सिनेमाघरों में ज्यादा सुनाई दे रही है। दक्षिण भारत के ख्यातनाम प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। फिल्म के एक्शन दृश्यों को दर्शकों द्वारा सराहा जा रहा है। हालांकि फिल्म को लेकर जो बज क्रिएट किया गया था, उसके अनुरूप फिल्म बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। फिल्म ने अब तक 40 करोड़ रुपयों की कमाई कर ली है। सेकनिल्क रिपोर्ट में कहा गया है कि जाट ने रिलीज के चौथे दिन ?14.06 करोड़ कमाए। यह फिल्म का अब तक का सबसे अधिक एकल दिन का कलेक्शन है। साथ ही पहली बार जाट ने रिलीज के बाद से दोहरे अंकों का आंकड़ा हासिल किया है। रविवार को जाट की हिंदी ऑक्यूपेंसी 25.51त्न रही। सुबह के शो में ऑक्यूपेंसी 11.67त्न रही, जबकि दोपहर के शो में 30.93त्न रही। शाम के शो में ऑक्यूपेंसी थोड़ी बेहतर रही, जो 33.93त्न रही। बता दें कि सनी देओल स्टारर फिल्म गदर-2 इससे पहले रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। अब सनी देओल की जाट ने भी लोगों का दिल जीता है। सेकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन महज 9.75 करोड़ रुपयों की ओपनिंग की थी। अब फिल्म का कलेक्शन 4 दिनों में 40 करोड़ रुपयों के पार हो गया है। फिल्म ने पहले दिन ?9.5 करोड़ की कमाई की। दूसरे दिन, कलेक्शन ?7 करोड़ रहा, जबकि तीसरे दिन कलेक्शन ?9.75 करोड़ रहा।

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लिया केकेआर की हार का जिम्मा, बोले-

'हमने बेहद खराब बल्लेबाजी की'

एजेंसी

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में मंगलवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 16 रन की हार का सामना करना पड़ा। महज 112 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। मैच के बाद बेहद हताश दिख रहे कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की ज़िम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह 'बैटिंग यूनिट की सामूहिक नाकामी' थी।

मैच के बाद प्रेजेंटेशन में रहाणे ने कहा, 'जो भी हुआ वो आप सबने देखा। काफी निराश हूं। मैं इसकी ज़िम्मेदारी लेता हूं। बतौर कप्तान मैंने भी गलत शॉट खेला, भले ही गेंद मिस कर रही थी, लेकिन वहीं से

सिलसिला शुरू हुआ। हमने एक बैटिंग यूनिट के तौर पर बहुत खराब प्रदर्शन किया। हमारे बॉलर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, 111 रन पर पंजाब जैसी मजबूत टीम को रोकना आसान नहीं था।'

रहाणे ने माना कि 112 रन का टारगेट चेज करना आसान था, लेकिन बल्लेबाजों ने लापरवाही से शॉट खेले। उन्होंने यह भी बताया कि अपने विकेट के वक्त उन्होंने डीआरएस नहीं लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि दोनों बैटर्स के बीच कम्युनिकेशन क्लियर नहीं था।

उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं होना चाहिए था कि मैं रिव्यू ले लूं और फिर बाद में वो एक बचा रहे। कम्युनिकेशन अच्छा नहीं था। शायद अंपायर का कॉल या गेंद लग भी सकती थी। लेकिन कोई शिकायत नहीं है। सच तो यह है कि हमने बैटिंग यूनिट के तौर पर बेहद खराब क्रिकेट खेला।'

चहल ने मचाई तबाही, 7 विकेट सिर्फ 23 रन पर गिरे

रहाणे और अंगकृष रघुवंशी (37 रन, 28 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन रहाणे के आउट होते ही मैच का रुख पलट गया। युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लेकर केकेआर की मिडल ऑर्डर की कमर तोड़ दी। आखिरी 7 विकेट महज 23 रन पर गिर गए।

'टी20 सिर्फ सिक्स लगाने का खेल नहीं'

रहाणे ने कहा, 'आजकल बैटर्स मैदान पर अच्छे दिखने के लिए बड़े शॉट लगाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन टी20 क्रिकेट सिर्फ सिक्स-चौकों का खेल नहीं है। हालात को पढ़ना और उसी हिसाब से खेलना जरूरी है। हमें उस वक्त सिंगल-डबल लेकर पारी को आगे ले जाना चाहिए था। विकेट फ्लैट नहीं था, बॉलर्स को मदद मिल रही थी। लेकिन हमने जरूरी धैर्य और गेम अवेयरनेस नहीं दिखाई।' रहाणे ने कहा, 'अभी टूर्नामेंट का आधा हिस्सा बचा है। टीम का कॉन्फिडेंस बना हुआ है। हम अपनी गलतियों को सुधार कर आगे बेहतर क्रिकेट खेलेंगे। अभी तो दिमाग में बहुत कुछ चल रहा है, जब ड्रेसिंग रूम में जाऊंगा तो खुद को शांत रख कर टीम से बात करूंगा।'

यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25

गुइरासी की हैट्रिक रही बेकार, बार्सिलोना से हारकर डॉर्टमंड टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी

डॉर्टमंड। यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सहरो गुइरासी ने शानदार हैट्रिक लगाई, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम बोरुसिया डॉर्टमंड प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

डॉर्टमंड ने दूसरे चरण में बार्सिलोना को 3-1 से हराया, लेकिन पहले चरण में 4-0 की करारी हार के कारण कुल 5-3 के अंतर से पराजित होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं, बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पहले चरण की बड़ी हार के बाद डॉर्टमंड ने किया जोरदार हमला : पहले चरण में 4-0 की हार झेलने के बाद डॉर्टमंड के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और बार्सिलोना को बैकफुट पर धकेल दिया। गुइरासी ने पहले चरण में कई अवसर गंवाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने 11वें मिनट में पेनल्टी पर कोई गलती नहीं की और अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

गुइरासी की हैट्रिक, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया : दूसरे हाफ में गुइरासी ने 49वें मिनट में हेड से दूसरा गोल किया। इसके बाद 76वें मिनट में नजदीक से तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की। इसी के साथ वे इस सत्र में यूएफा चैंपियंस लीग के सर्वोच्च गोल स्कोरर बन गए, उनके नाम अब 13 गोल हो गए हैं। हालांकि, इस बीच रामी बेन्सेबाइनी का आत्मघाती गोल डॉर्टमंड के लिए भारी पड़ गया और उनकी वापसी की उम्मीदों को झटका लगा।

बार्सिलोना ने बचाई बढ़त, सेमीफाइनल में पहुंची : डॉर्टमंड ने अंत तक बराबरी की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी बढ़त को कायम रखा और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान या बायर्न म्यूनिख से होगा।

मैच का कुल स्कोर:

पहला चरणः बार्सिलोना 4-0 डॉर्टमंड
दूसरा चरणः डॉर्टमंड 3-1 बार्सिलोना
कुल स्कोरः बार्सिलोना 5-3 डॉर्टमंड

ओलंपिक 2028: क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा अमेरिका के पोमोना में बनेगा खास अस्थायी स्टेडियम

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक खेलों में 124 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है और इसके लिए अमेरिका के साउदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। जो इस खेल का आयोजन स्थल होगा।

एलए 28 ओलंपिक आयोजक समिति ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह आयोजन स्थल 'फेयरप्लेक्स' कहलाता है, जो 500 एकड़ में फैला हुआ है और 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी फेयर की मेजबानी कर रहा है।

14 जुलाई से 30 जुलाई तक होंगे ओलंपिक 2028

लॉस एंजेलिस में 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार शामिल होगा। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच

दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब क्रिकेट का आयोजन तेज-तर्रार और रोमांचक ळ20 फॉर्मेट में होगा, जिससे दुनियाभर के नए दर्शकों को जोड़ने की कोशिश होगी।

पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा

एलए 28 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6-6 टीमें खेलेंगी। इसके लिए क्रिकेट को 90 एथलीट कोटा मिला है, यानी हर टीम में 15 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा। हालांकि क्वालिफाइंग रास्ता और कट-ऑफ्स का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने दी प्रतिक्रिया

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, 'हम क्रिकेट के लिए ओलंपिक में वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी की दिशा में अहम कदम है। क्रिकेट वैसे तो एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन ओलंपिक जैसे मंच पर टी 20 फॉर्मेट में खेलना नई ऑडियंस तक पहुंचने का शानदार अवसर होगा।'

इन नए खेलों को भी मिली जगह

एलए 28 ओलंपिक में क्रिकेट के अलावा बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस (सिक्सेस) और स्क्वैश को भी जगह मिली है। उम्मीद जताई जा रही है कि 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक में भी क्रिकेट को बरकरार रखा जाएगा। वहां गाबा स्टेडियम के आखिरी मैच के तौर पर क्रिकेट फाइनल कराने की योजना है, इसके बाद स्टेडियम को तोड़ने की तैयारी है।

आईएसएसएफ विश्व कप : सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत पर किया कब्जा, सौरभ चौधरी को कांस्य

नई दिल्ली। पेरू के लीमा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर लंबे समय बाद वापसी की।

18 वर्षीय सुरुचि ने मनु को 1.3 अंकों से हराया : सुरुचि इंदर सिंह ने चयन दौर (क्वालिफिकेशन राउंड) में 582 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मनु भाकर ने 578 अंकों के साथ अंतिम आठ (फाइनल-8) में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में सुरुचि ने बेहतरीन निशानेबाजी करते हुए 243.6 अंक अर्जित किए और अपनी अनुभवी साथी निशानेबाज मनु भाकर (242.3) को 1.3 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

सौरभ चौधरी ने 2022 के बाद जीता पहला व्यक्तिगत पदक : पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चयन दौर में 578 अंक बनाकर सातवें स्थान के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। फाइनल में सौरभ ने जोरदार शुरूआत की और शुरूआती दौर के बाद दूसरे स्थान पर थे। हालांकि, चीन के हु काई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 246.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राजील के फेलिप अल्मेडा वू ने 241.0 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। सौरभ ने 219.1 अंक बनाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

मुर्शिदाबाद में लौटे 140 लोग

शांति बहाल करने में जुटी पुलिस और बीएसएफ

एजेंसी

कोलकता : मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में हुई हिंसा के बाद घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग अब धीरे-धीरे वापस लौट रहे हैं। प्रशासन के अनुसार बीते तीन दिनों में करीब 140 लोग अपने घरों को आ चुके हैं। जबकि बाकी लगभग 360 लोगों को भी घर लाने की कोशिश में पुलिस और बीएसएफ दिन-रात काम कर रही है।

धुलियान इलाके में मंगलवार को कई परिवार अपने-अपने गांवों की ओर लौटते नजर आए। पुरुषों के कंधों पर बैग, महिलाओं के हाथ में पोटली और बच्चों की उंगलियां थामे लोगों के चेहरे पर डर और राहत दोनों की झलक दिखी। एक व्यक्ति अपनी पत्नी से कहते सुन 'देखो, अबकी बार सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

पिछले 48 घंटों में हिंसा प्रभावित इलाकों में लगातार पुलिस और बीएसएफ की गश्त ने लोगों में भरोसा लौटाया है। अराजकता फैलाने वालों की गिरफ्तारी भी लगातार जारी है। मंगलवार को ही पुलिस ने बांग्लादेश सीमा के पास से हिंदू बाप बेटे की हत्या मामले के दो आरोपितों को पकड़ा। पुलिस का कहना है कि वह अपराधियों को पकड़ने के लिए पाताल में जाने से पीछे नहीं हटेगी। प्रभावित परिवारों को यह विश्वास दिलाने के लिए कि वे सुरक्षित हैं, बीएसएफ और पुलिस ने हर परिवार को संबंधित अधिकारियों के संपर्क नंबर भी दिए हैं। किसी भी तरह की परेशानी की खबर मिलते ही सुरक्षा बल तत्काल मौके पर पहुंच रहे हैं।

प्रशासन का अनुमान है कि लगभग 500 परिवार घर छोड़ने को मजबूर हुए थे। हालांकि स्थानीय लोगों का दावा है कि यह संख्या हजार से ऊपर थी और कई लोग झारखंड और मालदा तक चले गए थे। रविवार को 19 लोग लौटे, सोमवार को 49 और मंगलवार रात तक 72 और लोग वापस आए।जिलाधिकारी दीन नारायण घोष ने बताया कि हम सभी को आश्वस्त कर रहे हैं। डरने की कोई जरूरत नहीं है। दो सामुदायिक रसोई चलाई जा रही हैं और राहत किट दी जा रही हैं। जंगीपुर पुलिस जिले के एसपी आनंद राय ने कहा कि क्षेत्र में पूर्णतः शांति है। अब घर न लौटने का कोई कारण नहीं।

सोशल मीडिया पर सख्ती, अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई

पुलिस के मुताबिक अब तक 1,093 सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक किया जा चुका है जो अफवाह और उकसावे की सामग्री फैला रहे थे। एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतीम सरकार ने कहा कि फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ पोस्ट साझा करने वालों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है।

शांति समितियां बनीं, हर समुदाय को जोड़ा गया

पुलिस द्वारा बनाए गए बूथ-स्तरीय शांति समितियों में स्थानीय और राजनीतिक प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। स्थानीय स्तर पर स्वीकार्य व्यक्तियों को इन समितियों का प्रमुख बनाया गया है, जिनकी जिम्मेदारी किसी भी अफवाह या समस्या की सूचना तुरंत पुलिस को देना है।

बीएसएफ ने कहा-सभी के लिए काम कर रहे

बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी नीलोत्पल पांडे ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि हम किसी विशेष समुदाय के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य हिंसा प्रभावित इलाकों में शांति बहाल करना है और हम 100 प्रतिशत लोगों की घर वापसी सुनिश्चित करना चाहते हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बल ने दो खूंखार नक्सलियों को किया ढेर

एजेंसी

कोंडागांव/रायपुर : छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के मरकाम पाल में देर रात हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के जवानों ने दो खूंखार नक्सलियों को मार गिराया। घटना स्थल से हथियार भी बरामद किए गए हैं। मारे गए नक्सलियों की पहचान हलदर और रामे के रूप में हुई है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। इसकी पुष्टि पुलिस अधीक्षक अक्षय कुमार ने की है।बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बुधवार को बताया कि मुठभेड़ मंगलवार शाम को कोंडागांव और नारायणपुर जिलों की सीमा पर हुई थी। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक

कोंडागांव-नारायणपुर के सीमा से सटे किलम -बरगुम क्षेत्र के जंगलों में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी तथा बस्तर फाइटर्स की टीम माओवादी विरोधी अभियान पर 15 अप्रैल को निकली थी। शाम को सुरक्षा बल और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में अब तक दो नक्सली कैडरों के शव बरामद हुए हैं। मारे गए माओवादी डिवीजन कमेटी प्रभारी हलदर पर 8 लाख और ऐरिया कमेटी मेम्बर रामे पर 5 लाख का इनाम घोषित था। वहीं मुठभेड़ स्थल से एके-47 रायफल और एक अन्य हथियार, विस्फोटक सामान और नक्सलियों का दैनिक सामान बरामद हुआ है।

यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस और स्वीडन में तनातनी

स्टाकहोम। रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर यूरोपीय देशों ने रूस पर दवाब बनाना शुरू कर दिया है। इसकी शुरूआत स्वीडन ने कर दी है। हाल ही में यूक्रेन मिसाइल हमले करने पर स्वीडन ने रूस के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया है। स्वीडिश विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक इंटरनेशनल मानवीय नियमों के मुताबिक लोगों के बुनियादी ढांचों की सुरक्षा करना रूस का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। इस मामले में स्वीडन ने रूस के राजदूत से अपने देश का रूख भी स्पष्ट करने को कहा है। इस तरह राजदूत को तलब करना यह दिखाता है कि स्वीडन यूक्रेन पर हमलों को लेकर रूस के प्रति खासा नाराज है। गौरतलब है कि रविवार को रूस ने यूक्रेन के सुमी शहर पर मिसाइल से हमला किया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए थे।

सर्किल अधिकारी प्रिंस राज के दो ठिकानों पर एसवीयू की रेड

एजेंसी

पटना। विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने सर्किल अधिकारी (सीओ) प्रिंस राज के दो ठिकानों पर आज सुबह छापेमारी की है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई है। छापेमारी शेखपुरा और मधुबनी स्थित उनके ठिकानों पर एक साथ की गई, जिससे इलाके में हलचल मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीओ प्रिंस राज पर उनके ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उनके पास आय से लगभग 90 प्रतिशत अधिक संपत्ति पाई गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए एसवीयू ने उनके ठिकानों पर एक संगठित तरीके से छापेमारी की।

छापेमारी की इस कार्रवाई में एसवीयू की एक विशेष टीम शामिल है, जिसका नेतृत्व डीएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। टीम ने दोनों ठिकानों पर दस्तावेजों की जांच, नकदी और अन्य कीमती सामान की गिनती शुरू कर दी है। संभावना है कि कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और प्रमाण बरामद किए जा सकते हैं, जो इस मामले की गहराई को उजागर कर सकते हैं। अभी तक एसवीयू की ओर से कोई आधिकारिक प्रेस रिलीज नहीं आई है, लेकिन सूत्रों की मानें तो छापेमारी के दौरान टीम को करोड़ों रुपये की अचल संपत्ति, संदिग्ध जमीन सौदों से जुड़े दस्तावेज, भारी नकदी और कई शेल कंपनियों से जुड़ी जानकारी हाथ लगी है। इसके अलावा कुछ डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए हैं जिनका विश्लेषण विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है।

अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने गया फिलिस्तीनी छात्र गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की नागरिकता लेने के लिए इंटरव्यू देने पहुंचे फिलिस्तीनी छात्र को मंहगा पड़ गया। उसे अमेरिका की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छात्र पर आरोप है कि गाजा युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में छात्र ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। फिलीस्तीनी छात्र मोहसिन महदावी पिछले करीब दस साल से अमेरिका में रह रहा है। वह 2015 से वहां का ग्रीन कार्ड धारक भी है। वह मंगलवार को अमेरिकी नागरिकता के लिए यूएस स्टेट वर्मोंट के इमिग्रेशन दफ्तर में पहुंचा था। जब वह नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने अंदर आफिस में गया तो उसे पहले हिरासत में लिया गया। उसके बाद लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। छात्र अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर चुका है। अब वह मास्टर डिग्री करना चाहता है।उधर गिरफ्तार किए गए छात्र महदावी के वकील लूना ड्रोबी ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने छात्र को फिलिस्तीनियों के समर्थन में आवाज उठाने के कारण गिरफ्तार किया है। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है।

बंगाल फर्जी पासपोर्ट घोटाला : ईडी ने दिनभर की तलाशी के बाद सरगना को किया गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चल रहे फर्जी पासपोर्ट रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार रात इस घोटाले के सरगना आलोक नाथ को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ़्तारी नदिया ज़िले के गेदे अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास की गई है।ईडी के मुताबिक, आलोक नाथ एक ऐसे रैकेट का संचालन कर रहा था जो अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय पासपोर्ट दिलाने में मदद करता था। ईडी ने मंगलवार को कोलकाता, उत्तर 24 परगना और नदिया ज़िलों के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। छापों के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड, लैपटॉप और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी अधिकारियों ने आलोक नाथ से करीब 13 घंटे तक पूछताछ की, जिसके बाद उसे सॉल्टलेक स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालय परिसर (सीजीओ कॉम्प्लेक्स) लाकर औपचारिक रूप से गिरफ़्तार किया गया।इस मामले में कोलकाता पुलिस पहले ही एक चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें 130 लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें से 120 लोग बांग्लादेशी नागरिक बताए गए हैं जबकि बाकी 10 भारतीय हैं। आरोप है कि बांग्लादेशी नागरिकों ने मोटी रकम देकर फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाए।

सेवानिवृत्त एएसआई अब्दुल हई की भी हो चुकी है गिरफ़्तारी

इससे पहले कोलकाता पुलिस ने शहर के एक सेवानिवृत्त सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) अब्दुल हई को भी इस मामले में गिरफ्तार किया था। चार्जशीट में यह खुलासा हुआ है कि अब्दुल हई ने 52 मामलों में पुलिस सत्यापन के बदले मोटी रकम वसूली थी। वह मौके पर जाकर सत्यापन की जिम्मेदारी निभाने के लिए नियुक्त किया गया था, लेकिन थाने में ही बैठकर सत्यापन पूरा करता था और पैसे की वसूली कर लेता था। प्रवर्तन निदेशालय इस पूरे रैकेट की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी कड़ियों की जांच कर रहा है और आने वाले दिनों में और गिरफ़्तारियां हो सकती हैं।

शुरूआती दबाव के बाद उबरा शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त बनाई

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार में गिरावट का सामना करने के बाद दबाव से उबरता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 5 मिनट में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गए। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाला और आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक, ट्रेंट लिमिटेड, एक्सिस बैंक,

एचडीएफसी लाइफ और जियो फाइनेंशियल के शेयर 2.72 प्रतिशत से लेकर 1.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर मारुति सुजुकी, हिंडाल्को, एटरनल, बजाज ऑटो और सन फार्मास्यूटिकल के शेयर 1.48 प्रतिशत से लेकर 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,402 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,788 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 614 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 261.89 अंक की तेजी के साथ 76,996.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक लाल निशान में 76,569.59 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 68.86 अंक की मजबूती के साथ 76,803.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 15.55 अंक की बढ़त के साथ 23,344.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण पहले 5 मिनट में ही यह सूचकांक लाल निशान में 23,277 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद लिवाल एक्टिव हो गए, जिससे इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 27.25 अंक की मजबूती के साथ 23,355.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 1,577.63 अंक यानी 2.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,734.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 500 अंक यानी 2.19 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,328.55 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सरार्फा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना सस्ता होकर 95,170 रुपये से लेकर 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,190 रुपये से लेकर 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 99,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

इसरो में अंतरिक्ष अनुसंधान पर आयोजित शिविर में हिस्सा लेंगे तारकेश्वर

हुगली। दसवीं कक्षा के छात्र हिमग्न घोष तारकेश्वर से श्रीहरिकोटा जाकर अगले कुछ दिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में बिताएंगे। वह अंतरिक्ष अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं का आगे अध्ययन करेंगे। यह खबर बाहर आने के बाद तारकेश्वर के हरिपाल इलाके में उनकी खूब चर्चा हो रही है। हिमग्न घोष को बचपन से ही अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान में बहुत रुचि थी। वह हमेशा अंतरिक्ष विज्ञान की खबरें पढ़ते और अध्ययन करते हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रॉकेट विज्ञान में कौशल बढ़ाने के लिए श्रीहरिकोटा स्थित इसरो कार्यालय में विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। यहीं से उन्हें फोन आया। श्रीहरिकोटा स्थित इसरो कार्यालय देश में नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान पर एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर रहा है। इस वर्ष देश के विभिन्न भागों से छात्रों को वहां आमंत्रित किया जा रहा है। बताया गया है कि इस बार कुल 350 छात्र वहां जाएंगे। बंगाल से 10 लोगों को कॉल आये। उनमें से एक है तारकेश्वर का दसवीं कक्षा का छात्र हिमग्न। वह तारकेश्वर के हरिपाल वार्ड नंबर 10 का निवासी है। वह एक स्थानीय अंग्रेजी स्कूल का छात्र है। वह स्कूल और इलाके में अपनी उपलब्धियों के लिए जाने जाते हैं। बचपन से ही अंतरिक्ष विज्ञान में उनकी गहरी रुचि रही है। माता-पिता को भी अपने बेटे पर गर्व है। हिमग्न 16 मई को हरिपाल से इसरो के लिए रवाना होंगे। उनके पड़ोसियों को भी उन पर गर्व है।

विष्णुदेव साय कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक 17 अप्रैल को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक आगामी 17 अप्रैल को मंत्रालय में आयोजित होगी। यह बैठक दोपहर 12:30 बजे से शुरू होगी। नए वित्तीय वर्ष की यह पहली बैठक है, और ऐसा माना जा रहा है कि इस बैठक में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। बस्तर से लौटने के बाद मंत्रालय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बैठक लेंगे। सभी मंत्रियों को 17 अप्रैल को 12 बजे मंत्रालय पहुंचने की जानकारी दी गई है। इस बार कैबिनेट की बैठक में बस्तर विकास की कुछ योजनाओं को मंजूरी मिल सकती है।

कठियातली बाजार में भीषण आग, बिहू की खुशियों में खलल

नगांव (असम)। रंगाली बिहू के उल्लास के बीच, मंगलवार की रात नगांव ज़िले के कठियातली रंगबेंग बाजार में एक भीषण अग्निकांड की घटना घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 'मा हार्डवेयर' नामक एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान से आग की शुरूआत हुई, जिसके बाद बगल की दो दुकानें आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थानीय लोगों ने पानी और बालू की मदद से आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन दमकल विभाग के देर से पहुंचने के कारण लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। घटनास्थल पर 'फायर ब्रिगेड गो बैक', 'पुलिस गो बैक' जैसे नारों से माहौल तनावपूर्ण हो गया। बाद में कठियातली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

भोपाल: हज यात्रियों के लिए आज से शुरू होगा स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण

भोपाल। स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा हज यात्रियों के दल का स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण आज (बुधवार) से प्रारंभ किया जा रहा है। इसके लिए विभाग द्वारा चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। यह चिकित्सकीय दल 21 अप्रैल तक सिंगारचोली गुलमोहर गार्डन स्थित मध्य प्रदेश राज्य हज कमेटी हज हाउस में हज यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण करेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के निदेर्शानुसार हज यात्रियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण किया जा रहा है। ये सेवाएं सुबह 11.00 से शाम 4.00 बजे तक प्रतिदिन दी जाएगी। आगामी 21 अप्रैल के बाद टीकाकरण से वंचित हज यात्री जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में टीका लगवा सकेंगे। उन्होंने बताया कि चिकित्सकीय दल द्वारा हज यात्रियों को मेनेनजाइटिस एवं पोलियो के टीके लगाए जा रहे हैं। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को इन्फ्लूएंजा का टीका भी लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था करते हुए जापानी इंसेफेलाइटिस एवं अन्य नियमित टीकाकरण भी किया जा रहा है। परीक्षण उपरांत हेल्थ कार्ड भी दिया जा रहा है।

मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे बांग्लादेशी कट्टरपंथी संगठनों के तार खंगालने में जुटीं खुफिया एजेंसियां

कोलकाता। केंद्र सरकार को मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा के पीछे बांग्लादेशी घुसपैठियों की भूमिका को लेकर शुरूआती सुराग मिले हैं। इसके बाद खुफिया एजेंसियां अब इस पूरे मामले में बांग्लादेश के कौन से कट्टरपंथी संगठनों की संलिप्तता हो सकती है, इसका पता लगाने में जुट गई हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन तीन बांग्लादेशी कट्टरपंथी संगठनों पर सबसे अधिक शक है, वे हैं जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी), हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) और अंसरुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी)। इन संगठनों की गतिविधियां काफी समय से मुर्शिदाबाद में सक्रिय रही हैं, जो बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा वाला जिला है। खासकर जिन इलाकों में इस बार सबसे अधिक हिंसा और तनाव फैला, जैसे कि शमशेरगंज है। वहां की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए अंसरुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) की भूमिका सबसे अधिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। शमशेरगंज और धूलियान के उस पार बांग्लादेश का चपाई नवाबगंज जिला है, जिसे एबीटी का गढ़ माना जाता है। यही वजह है कि इन क्षेत्रों में हालिया हिंसा में एबीटी की भूमिका को लेकर खुफिया एजेंसियों की आशंका गहरी हो गई है। पिछले वर्ष दिसंबर में एबीटी का एक वांछित आतंकी सजिदुल इस्लाम मुर्शिदाबाद से पकड़ा गया था। यह गिरफ्तारी पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और असम पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में हुई थी। सजिदुल इस्लाम एबीटी के ही एक अन्य कुख्यात आतंकी शाद राडी उर्फ शब शेख का चचेरा भाई है, जिसे पिछले साल केरल से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को लगातार इनपुट मिल रहे थे कि एबीटी के आतंकी मुर्शिदाबाद और उससे लगे नदिया जिले में अपनी गतिविधियां बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, जो बांग्लादेश से लगी सीमा पर स्थित हैं और जहां से घुसपैठ करना अपेक्षाकृत आसान है। इन तमाम इनपुट के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मौजूदा हालात की समीक्षा शुरू कर दी है। साथ ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की मौजूदगी के बाद से मंगलवार से मुर्शिदाबाद में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीमद्भागवत पाठ कथा साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ शुभारंभ

गुमला: गुमला जिला अंतर्गत स्थित भरनो प्रखंड के तेतरटोली,बूढीपाठ गांव में 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ शुभारंभ किया गया गया । श्रीमद्भागवत भागवत कथा का शुभारम्भ मंगलवार को कशल यात्रा के साथ किया गया।कलश यात्रा के दौरान 51 महिलाओं एवं कन्याओं के द्वारा बूढ़ीपाठ नदी से विधिवत कलश में जल भरकर नगर भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंचे,जहां कांशी विश्वनाथ के कमल दास जी महाराज,आचार्य रामनारायण जी महाराज,आचार्य शिवम दास जी के सानिध्य में श्रीमद्भगवत कथा का पाठ कराया गया। मौके पर नारायण दास,नारायण दास गोस्वामी,परितोष शाही,हरिशंकर शाही,चुन्नी लाल गोप,राजेश केशरी,बबलू शाही,पीके सिंह,वीरेंद्र सिंह,बालेश्वर गोप सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

कल्याण विभाग के छात्रावास की हुई समीक्षा

गुमला : गुमला समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में कल्याण विभाग के अंतर्गत जिले में चल रहे छात्रावास के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी 19 छात्रावास के सम्बन्ध में समीक्षा की गई। उपायुक्त ने छात्रावास के सुपरिटेंडेंट एवं वार्डेन से छात्रावास संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली गई। उपायुक्त छात्रावास के रखरखाव , रसोई? , बॉउंड्रीवाल , बिजली , पानी एवं अन्य समस्याओं से अवगत हुए। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि छात्रावास से संबंधित समस्या को यथाशीघ्र दूर किया जाए। जिससे छात्र छात्राओं को किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़े।
इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि छात्रावास में रहने वाले सभी छात्र छात्राओं का पूर्ण ब्यौरा उपलब्ध कराया जाए। वर्तमान में 10 छात्रावास से छात्र छात्राओं का पूर्ण ब्यौरा उपलब्ध है। अन्य छात्रावास द्वारा उक्त ब्यौरा यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाए।
उपायुक्त ने कहा कि छात्रावास में रह रहे बच्चों को बेहतर माहौल दें और उन्हें पढ़ाई के प्रति जागरूक करें। जिससे कि पढ़ाई के प्रति उनका रुझान बढ़े। और वह किसी गलत मार्ग पर न बढ़े। बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं।
इस मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी, अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं छात्रावास के सुपरिटेंडेंट एवं वार्डेन उपस्थित रहें।

स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की हो रही ऑडिट

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन के प्लेटफार्म पर उपलब्ध यात्री सुविधा संसाधनों की ऑडिट हो रही है। चक्रधरपुर मंडल के कर्मचारी स्टेशन पर खानपान के स्टॉल, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन, शौचालय, वाटर बूथ एवं वॉटर वेंडिंग मशीन समेत अन्य संसाधनों की सूची बनाने के साथ इस्तेमाल करने वाले यात्रियों की संख्या का आकलन कर रहे हैं। बताया जाता है कि जल्द ही दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से ऑडिट टीम जल्द टाटानगर आएगी। इससे चक्रधरपुर मंडल के कर्मचारी तैयारी में जुटे हैं ताकि ऑडिट टीम को सही जानकारी दे सके।

सदर अस्पताल में आरसीटी, फेको और एसएनसीयू चालू करने का आदेश

धनबाद : आरडीडी हजारीबाग डॉ सिद्धार्थ सान्याल ने सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन और सदर के नोडल पदाधिकारी डॉ राजकुमार सिंह को सदर अस्पताल में जल्द रूट कैनाल ट्रीटमेंट (आरसीटी), फेको विधि से मोतियाबिंद ऑपरेशन और स्पेशल न्यू बॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) चालू करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को धनबाद आए डॉ सान्याल स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ सदर अस्पताल का निरीक्षण कर रहे थे।
निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में गए और वहां की व्यवस्था देखी। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के ओपीडी में रजिस्टर की भी जांच की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं की जानकारी ली और इसमें सुधार का निर्देश दिया। सिविल सर्जन को यहां दंत रोग विभाग में जल्द आरसीटी शुरू करने, फेको विधि से मोतियाबिंद सर्जरी के लिए आवश्यक संसाधन की व्यवस्था करने और अस्पताल में जन्म लेनेवाले नवजात के इलाज के लिए एसएनसीयू शुरू करने का निर्देश दिया है। यह भी कहा है कि पैसे की कोई कमी नहीं है। सरकार के स्तर से विशेषज्ञ चिकित्सक रखने का भी निर्देश दिया गया है। प्रक्रिया पूरी कर जल्द विशेषज्ञ और अति विशेषज्ञ चिकित्सकों को रखें और यहां बेहतर इलाज की व्यवस्था करें। आरडीडी ने सदर अस्पताल की व्यवस्था में सुधार के लिए सिविल सर्जन और सदर के नोडल पदाधिकारी को हर दो दिन में बैठक करने का भी निर्देश दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सदर की व्यवस्था पहले से बेहतर हुई है। इसमें और सुधार की आवश्यकता है। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। आरडीडी डॉ सान्याल ने अधिकारियों को आयुष्मान भारत योजना से अस्पताल का आय बढ़ाने का भी निर्देश दिया। कहा कि आयुष्मान से पैसा कमाकर देने पर ही सरकार सभी को पैसा देगी। आयुष्मान से अधिक से अधिक मरीजों का इलाज करें। इससे अस्पताल भी साधन संपन्न होगा और डॉक्टरों और कर्मचारियों की भी आय बढ़ेगी।
सिविल सर्जन कार्यालय से सदर अस्पताल जाने के दौरान आरडीडी की गाड़ी कैंपस के अंदर ही जाम में फंस गई। उन्हें बताया गया कि अधिवक्ताओं की गाड़ियां खड़ी हैं। आरडीडी ने सिविल सर्जन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश से मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए आग्रह करने का कहा है। आरडीडी के अनुसार इसमें एंबुलेंस या विशेष परिस्थिति में फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी फंस सकती है। तब स्थिति काफी मुश्किल हो जाएगी।

धनबाद के 16 रूटों पर चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

धनबाद : शहर में 200 नई इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों को चलाने की योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी में धनबाद नगर निगम जुट गया है। नगर विकास विभाग के निर्देश पर दिल्ली की क्रेडिबल कंपनी द्वारा बनाई गई पुरानी डीपीआर में सुधार करते हुए नगर निगम ने इसे मंजूरी के लिए सरकार के पास भेज दिया है। लगभग 725 करोड़ रुपए की इस योजना से शहर में एक बार फिर से सिटी बस सेवा शुरू की जाएगी। धनबाद के 16 रूटों पर सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें उतारी जाएंगी।

नक्सल साजिश नाकाम, पकड़े गए 7 आईईडी बम, 11 बंकर भी ध्वस्त

मेट्रो रेज संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के सारंडा और कोल्हान जंगल में नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को सारंडा जंगल से पांच और कोल्हान जंगल से दो सात आईईडी बम बरामद किया है। इसके साथ ही सारंडा जंगल में एक करोड़ के इनामी व शीर्ष नक्सली नेता मिसिर बेसरा के ठिकाना सहित कुल 11 बंकर और छह मोर्चा को ध्वस्त किया । एसपी आशुतोष शेखर ने यह जानकारी दी है।
उन्होंने बताया कि सारंडा जंगल के छोटानागरा और जराईकेला थाना क्षेत्र के बाबूडेरा और आसपास के इलाकों में चार मार्च से सर्च अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार मंगलवार को यहां पांच आईईडी बम बरामद किया गया है। इनमें 15 किलो के एक, 10 किलो के दो, पांच- पांच केजी के दो आईईडी बम शामिल थे। एसपी ने बताया कि सभी आईईडी को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस तरह नक्सलियों की एक बड़ी साजिश नाकाम हो गई
पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में एक करोड़ के इनामी और शीर्ष नक्सली नेता मिसिर बेसरा के बंकर को भी सुरक्षाबलों ने ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा दस अन्य बंकर और छह मोर्चा भी मिले। इस मामले की जानकारी देते हुए एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि बंकर में नक्सलियों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा और उसकी टीम के ठहरने की व्यवस्था थी। बंकर के आकार बड़ा था। इस बंकर में मिसिर बेसरा अपने सहयोगियों के साथ आपातकालीन स्थिति में रहता था।
कोल्हान जंगल में सर्च अभियान के दौरान दो आईईडी बरामद
एसपी ने कहा कि कोल्हान जंगल के टोंटो थाना क्षेत्र के वनग्राम लुईया एवं बकराबेरा के आस पास के इलाकों में नक्सली गतिविधि होने की सूचना मिलने के बाद मंगलवार से सर्च अभियान शुरू किया गया है। इसी दौरान बकराबेरा गांव के आस पास जंगल में सर्च अभियान के दौरान दो आईईडी बम बरामद किया है। दोनों आईईडी चार-चार किलो के हैं।

रामप्रताप बर्मन अपने कार्यों से लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं

मेट्रो रेज संवाददाता

चक्रधरपुर के सामाजिक कार्यों के लिए निरंतर तथा हमेशा सुलभ रूप से उपलब्ध रहने वाले राम प्रताप बर्मन अपने सामाजिक कार्यों के कारण पूरे जिला में पहचाने जाते हैं यही नहीं उनके द्वारा सामाजिक कार्यों को निरंतर प्रोत्साहित भी किया जाता है कहीं भी किसी प्रकार की सामाजिक दायित्व के निर्वहन करने के बात चलती है तो राम प्रताप बर्मन का नाम स्वतः ही जुबां पर चला आता है अपने 75 वर्ष के आयु में भी उनकी चुस्ती फुर्ती और कार्यों के प्रति समर्पण देखते ही बनता है इसी का यह परिणाम है कि श्री बर्मन को सेंट्रल स्वर्णकार चैरिटेबल ट्रस्ट इंडिया ग्रुप का संरक्षक एवं मार्गदर्शक चक्रधरपुर झारखंड भी बनाया गया है। श्री बर्मन बताते हैं कि उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने के साथ-साथ जन सरोकारों से हमेशा जुड़े रहे हैं इसी के फलस्वरुप वे कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े हैं ।
निरंतर कार्य करने के अलावे कई धार्मिक कार्यों से जुड़े संगठन से भी वह हमेशा जुड़े रहे हैं वे बताते हैं कि सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने से उन्हें असीम आनंद की अनुभूति होती है और इसी का यह परिणाम है कि वे सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं उनके कार्यों में उम्र कभी बाधा नहीं रही इसी के फलस्वरुप उनके लिए यह भी कहा जाता है कि-
अपने लिए जिए तो क्या जिए
तू जी ऐ दिल जमाने के लिए

सरहुल पर्व मनाया गया, निकला भव्य जुलूस

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा प्रखंड में मंगलवार को सरहुल पर्व मनाया गया। इस दौरान सरहुल संचालन समिति के द्वारा कार्यक्रम आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पहान पुजार के द्वारा झखरा कुंबा में पूजा अर्चना की गई , जिसके बाद विभिन्न गांव से आए खोड़हा दल एकत्रित हुए और एक जुलूस के रूप में चांदनी चौक, थाना चौक व ब्लॉक चौक होते हुए करम डीपा घाघरा पहुंचकर एक सभा में तब्दील हो गया और विभिन्न खोड़हा दल के सभी लोग अपने-अपने पारंपरिक वेशभूषा और ढोल , नगाड़े , मांदर आदि वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य करते हुए दिखे। संचालन समिति के द्वारा सभी दल को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया , समिति के पदाधिकारियों ने कहाकि सरहुल सिर्फ एक पर्व नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी आस्था और विश्वास का पर्व है। हम साल वृक्ष, जल, जंगल और जमीन की पूजा करते हैं, जो हमारी संस्कृति की आत्मा हैं। पूर्वजों के द्वारा जो धरोहर हमें मिला है , इसे जन्मो जन्मांतर तक दिन-ब-दिन बेहतर करते हुए मनाने की दिशा में प्रयासरत रहने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहाकि हम आदिवासी प्रकृति के पूजक है। हमारा जीवन प्राकृतिक पर निर्भर रहता है। उन्होंने युवाओं को आगे आकर बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही ताकि आने वाले पीढ़ी को हमारी संस्कृति सभ्यता परम्परा को बेहतर करने की दिशा में बेहतर जानकारी हो सके , इस दौरान पूरे प्रखंड से लगभग 150 से अधिक खोड़हा दल पहुंचे थे ।

युवक का सिर कूचकर मार डाला, मदरसे में मिला शव

मेट्रो रेज संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के कपाली के ताजनगर में मंगलवार सुबह पत्थर से कूचकर कबाड़ी की हत्या कर दी गई। उसका शव बंद पड़े एक मदरसे में मिला। कबाड़ी का नाम मो. हुसैन था। वह अपनी बाइक से कबाड़ खरीदने के लिए निकला था। वह उसी मोहल्ले का निवासी था। उसकी बाइक भी घटनास्थल से बरामद हुई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
पुलिस के अनुसार, मोहम्मद हुसैन मंगलवार सुबह अपने घर से कबाड़ खरीदने निकला था। लोगों ने बताया कि किसी बात को लेकर नशेड़ियों से उसका विवाद हो गया। विवाद में ही उनके बीच मारपीट हुई, जिसके बाद उसे मौत के घाट उतार दिया गया। मोहम्मद हुसैन शादीशुदा था और उसकी एक बेटी भी है। घटना की सूचना मिलने पर परिवार के सदस्य पहुंचे। उन्होंने कुछलोगों का नाम पुलिस को बताया है, जिनपर हत्या का शक जाहिर किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
कपाली इलाके में लगातार अपराधिक घटनाएं घट रही हैं। हाल में ही केजीएन नामक दवा दुकान पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी थी। गोली रंगदारी को लेकर चली थी। लोगों का कहना है कि कपाली इलाके में कई दिनों से लगातार नशे का कारोबार चल रहा है, जिसके चलते हत्या और दूसरी वारदात हो रही है। इस इलाके के कुछ दवा दुकान है, जहां से खुलेआम नशे की दवा बेची जाती है।
मानगो में आपसी विवाद में चाकू मारकर किया घायल
मानगो के दाईगुट्ठ में कुत्ते को लेकर टहलने निकले मदन नामक व्यक्ति पर सोमवार रात बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। पेट और हाथ में चाकू से हमला किया गया। हमलावरों का नाम नंदू और डब्बू है। मदन के परिजनों ने बताया कि वह कुत्ते को लेकर टहलाने के लिए घर से निकले थे। इस बीच उनका विवाद डब्बू और नंदू से हो गया। पहले उनके बीच मारपीट हुई। उसके बाद दोनों ने चाकू से हमला कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मदन के बेटे ने बताया कि पहले उसके पिता ठेकेदारी में मजदूरी करते थे। हमलावर ने कई दिन से परेशान कर रखा था और फब्तियां कसते थे। जब उन्होंने विरोध किया तो चाकू से हमला किया गया।

स्कूली बच्चों को सिखाये गये आग से बचाव के तरीके

जादूगोड़ा : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की अग्निशमन विभाग की जादूगोड़ा यूनिट की ओर से 14 से 20 अप्रैल तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान स्कूलों में बच्चों को आग से बचाव को लेकर जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के तीसरे दिन बुधवार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुड़कू में बच्चों को आग के प्रकार, आग लगने के कारण और उससे बचने के तरीके बताये गये। इस दौरान बच्चों को डेमो के जरिए भी समझाया गया कि आपात स्थिति में कैसे सुरक्षित रहना चाहिए। इससे पहले जादूगोड़ा मिल और माटीगोडा उत्क्रमित उच्च विद्यालय में भी ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित किये गये थे, जिनमें बच्चों ने आग से बचने के तरीके सीखे थे। बता दें कि इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह की अगुवाई में यह अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि 1944 में मुंबई के एक बंदरगाह पर भीषण आग में करीब 800 जवान शहीद हो गये थे। इस घटना के बाद, भारत सरकार ने 1963 से अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाने की शुरूआत की, ताकि लोग आग की घटनाओं को लेकर जागरूक हों और ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। इसके बाद हर साल 14 से 20 अप्रैल तक यूसिल में सीआईएसएफ की अग्नि शमन विभाग की ओर से अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है।

शराब दुकान में सेंधमारी कर कैश लॉकर उठा ले गये चोर, जांच में जुटी पुलिस

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के पुरानी रांची रोड स्थित एक शराब दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। चोरों ने सेंधमारी कर चोर कैश लॉकर चुरा लिया, जिसमें करीब 1 लाख 20 हजार रुपये रखे थे। शराब दुकान के इंचार्ज राधामोहन भट्ट और सहायक राजमोहन प्रजापति बुधवार की सुबह करीब 10 बजे दुकान खोला तो देखा कि छत का टीन कटा हुआ है और दीवार में लगा कैश लॉकर भी गायब है। इसके बाद इंचार्ज ने चक्रधरपुर थाना को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी। पुलिस ने शराब दुकानदार व अन्य लोगों से भी पूछताछ की।
इंचार्ज राधामोहन भट्ट ने बतया कि कैश लॉकर में लगभग एक लाख बीस हजार रुपये रखे थे। साथ ही दुकान में कितने शराब व अन्य सामानों की चोरी हुई है, उसकी जांच कर ही जानकारी मिल पायेगी।

स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों ने कैबिनेट के निर्णय का किया विरोध

गुमला : झारखण्ड प्लस टू शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ठाकुर के आव्हान पर गुमला जिला के सभी स्नात्तकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों ने झारखण्ड सरकार के कैबिनेट के द्वारा लिए गए निर्णय के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया गया. पिछले 08 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक में पी जी टी और टी जी टी के पद के जगह पर माध्यमिक आचार्य पद सृजन किया गया है.इसमें शिक्षकों को एक ओर अतिरिक्त वर्ग कक्ष में अध्यापन की जिम्मेवारी दी गई है वंही दूसरी ओर ग्रेड पे 4800 से घटाकर 4200 कर दिया गया है. इस तरह से ऐसे माध्यमिक आचार्य शिक्षक नियुक्त होने वाले शिक्षक को लगभग 20 हजार रुपए प्रति माह कम वेतन मिलेगा. फिलहाल पी जी टी और टी जी टी शिक्षक को केंद्रीय वेतमान के समान वेतन मिलता है. सरकार के इस निर्णय से शिक्षकों और शिक्षाविदों में रोष व्याप्त है. कम वेतन मिलने से प्रतिभाशाली व्यक्ति का रुझान शिक्षक पद की ओर नहीं रहेगा. इसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ेगा. जिसका खामियाजा समस्त राज्यवासियों को भुगतना पड़ेगा.

उपायुक्त ने सुनी जनता की समस्याएं, दिया समाधान का निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला मुख्यालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निवारण हेतु आयोजित साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस में उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में आम जनों के विभिन्न मुद्दों की सुनवाई की गई। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त गुमला के समक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी ग्रामीणों से एकइएक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।
बसिया के बोड़ेकेरा बरटोली स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी सेविका उपस्थित नहीं रहती, जिसके कारण बच्चों को काफी परेशानी होती है। इस हेतु ग्रामीणों द्वारा आवेदन दिया गया। इस संबंध में उपायुक्त गुमला ने जांचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिया।
रायडीह प्रखंड अंतर्गत रमजा गलगुटरी ग्राम में पेयजल की समस्या है। इस संबंध में ग्रामीणों ने उपायुक्त गुमला से मिलकर आवेदन दिया और पेयजल समस्या को दूर करने का अनुरोध किया है। इस संबंध में उपायुक्त ने आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिया।
इसके अतिरिक्त आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से भूमि अतिक्रमण,रोजगार,राशन नहीं मिलने की समस्या,सड़क,नाली,अबुआ आवास,आर्थिक सहायता,राशन कार्ड में नाम जोड़ना, आश्रित को नौकरी,एकलव्य विद्यालय में नामांकन, सड़क निर्माण में गड़बड़ी एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिए जाने हेतु आवेदन आये।आज उपायुक्त गुमला ने लगभग 40 से अधिक आवेदकों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए उक्त समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया।